mediaauditornews@gmail.com Epaper.dainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-171 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

22 जून 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

खेड़ा बोले- मोदी जो बोलते नहीं, थरूर सुन लेते हैं

कांग्रेस सांसद ने जी-7 समिट में भारतीय नाविकों का मुद्दा उठाने पर पीएम की तारीफ की थी

नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम मोदी के जी-7 समिट में भारतीय नाविकों का मुद्दा उठाने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने तारीफ की थी। अब थरूर की पार्टी के लोग ही उनकी आलोचना कर रहे हैं।

पवन खेड़ा ने शनिवार को थरूर पर तंज कसते हुए कहा- मेरे सीनियर सहयोगी शशि थरूर पीएम मोदी की तारीफ के लिए कुछ भी कर सकते हैं। अब वे वो बातें भी सुन सकते हैं जो मोदी ने कभी कही ही नहीं।दरअसल 18 जून को फ्रांस में जी-7 समिट के दौरान पीएम ने ट्रम्प से मुलाकात के दौरान भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा उठाया था। थरूर ने कहा था कि पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने भारत का पक्ष साफ कर दिया था।

ट्रम्प बोले-अमेरिका होर्मुज में टोल लगा सकता है

इससे मिडिल-ईस्ट में सुरक्षा पर खर्च की भरपाई करेंगे

तेल अवीव/तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगर ईरान के साथ 60 दिनों में कोई समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका भविष्य में होर्मुज स्ट्रेट में टोल लगाने पर विचार कर सकता है। यह शुल्क मिडिल-ईस्ट में सुरक्षा पर हुए अमेरिकी खर्च की भरपाई के लिए होगा।

हालांकि उन्होंने साफ किया कि सीजफायर के दौरान अगले 60 दिनों तक होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टोल नहीं लगाया जाएगा। 60 दिन खत्म होने के बाद भी टोल नहीं लगाया जाएगा, जब तक यह अमेरिका की तरफ से नहीं लगाया गया होता।

इस बीच अमेरिका और ईरान शांति वार्ता के लिए स्विट्जरलैंड पहुंच चुके हैं। अमेरिकी डेलिगेशन में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर हैं। वहीं, ईरानी डेलिगेशन का नेतृत्व विदेश मंत्री अब्बास अराघच कर रहे हैं। संसद स्पीकर बाघेर गालिबाफ भी बातचीत में शामिल होंगे।

दावा: ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर आज इस्तीफा दे सकते हैं

पार्टी के 100 सांसद खिलाफ; 10 साल में 5 पीएम ने कार्यकाल से पहले पद छोड़ा

लंदन,एजेंसी।ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सोमवार को इस्तीफे का ऐलान कर सकते हैं। साथ ही वे अपने पद छोड़ने का रोडमैप भी बता सकते हैं। यह दावा ब्रिटेन के अखबार 'द ऑब्जर्वर' की रिपोर्ट में किया गया है।रिपोर्ट के मुताबिक स्टार्मर ने कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों और ट्रेड यूनियन नेताओं से बातचीत के बाद तय किया है कि उनका पद पर बने रहना अब मुश्किल है। हालांकि, रॉयटर्स के मुताबिक सरकारी सूत्रों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि स्टार्मर अभी भी प्रधानमंत्री के तौर पर अपने काम करने पर ध्यान दे रहे हैं।

हिमालय से हिंद महासागर तक दिखी योग शक्ति

कोलकाता में मोदी बोले:70 की उम्र में 50 जैसा दिखें

योग इसमें मददगार, यह सबको जोड़ता है; पीएम ने 5 आसन किए, लोगों को सिखाया

कोलकाता,एजेंसी। पीएम मोदी रविवार को कोलकाता में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह शामिल हुए। उन्होंने कहा- हमारा लक्ष्य 40 साल की उम्र में 20 साल की उम्र से ज्यादा लचीले होना, 50 साल की उम्र में 30 से ज्यादा ऊर्जावान और 70 की उम्र में 50 साल से ज्यादा स्वस्थ रहना होना चाहिए।

पीएम ने कहा कि योग दुनिया का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव बन चुका है, जो लोगों, देशों और संस्कृतियों को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि 21 जून, जो पृथ्वी का सबसे लंबा दिन माना जाता है, अब पूरी दुनिया में योग दिवस के रूप में मनाया जाता है।पीएम के साथ कोलकाता के ऐतिहासिक 'रेड रोड' पर हजारों लोगों ने योग किया। पीएम ने ताड़ासन, अर्धचक्रासन, भद्रासन, त्रिकोणासन सहित 5 आसन किए। कॉमन प्रोटोकॉल योग सत्र के दौरान पीएम लोगों के बीच पहुंचे और उनकी योग मुद्राओं को सुधारने में मदद करते नजर आए।12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम Yoga for Healthy Ageing यानी बढ़ती उम्र के लिए योग है। इस थीम का मकसद यह बताना है कि योग सिर्फ फिटनेस का माध्यम नहीं, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर, मन और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का भी तरीका है।

योग केवल शारीरिक श्रम का साधन नहीं है:पीएम ने कहा- योग दिवस के मौके पर बंगाल में होना बहुत खास है। बंगाल की पवित्र भूमि, जहां विवेकानंद जैसे लोग ने योग से दुनिया को परिचित किया। लहिरि महाशय जैसे महान योगियों ने परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आज उसी धरती पर सामूहिक योग का अनुभव अलग आध्यात्मिक अनुभव दे रहा है।

मोदी बोले- योग पर्सनल लाइफस्टाइल नहीं, बल्कि जरूरत बन गया है: कहा– आधुनिक समय में जीवन के असतुंलन से जूझ रहे हैं। उन्हें मशक्कत करनी पड़ रही है। योग में बैलेंस जीवन जीने की कला सिखाता है। जब हम हमारे शरीर को सही तरीके से चलाना सीख लेते हैं तो स्वास्थ्य हमारा स्वाभव बन जाता है। योग केवल सिर्फ शरीर के स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य का मार्ग भी दिखाता है। हमें क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, इसका बोध योग करवाता है।

योग आज के सिर्फ हमारी पर्सनल लाइफस्टाइल के लिए जरूरी है, इतना ही नहीं है, बल्कि ये एक जरूरत भी है। योग दिवस के मौके पर करोड़ों लोग योग से जुड़ते हैं, आइए हम संकल्प ले योग को सिर्फ एक दिन या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखेंगे।भारत में, हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक, और पूर्व में पूर्वोत्तर और बंगाल से लेकर पश्चिम में सौराष्ट्र तक, पूरा देश योग की ऊर्जा से भरा हुआ लगता है।

कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर जंतर-मंतर पर रातभर धरना; दीपके ने क्रिकेट खेला

नई दिल्ली,एजेंसी। नीट पेपर लीक के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का जंतर-मंतर पर रविवार को दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर रातभर जंतर-मंतर पर बैठे रहे।

CJP फाउंडर अभिजीत दीपके और उनके समर्थक शनिवार रात से जंतर-मंतर पर डटे हुए हैं। वे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने शनिवार शाम 5 बजे के बाद प्रदर्शन की अनुमति खत्म होने की बात कहकर जगह खाली करने के लिए कहा था। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी रातभर जंतर-मंतर पर बैठे रहे।

दीपके ने लोगों से आंदोलन का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने NEET री-एग्जाम देने वाले छात्रों से भी परीक्षा के बाद प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की।इससे पहले शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अगर धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते हैं, तो वे 27 जून से अनशन शुरू करेंगे।

पानी और लाइट को लेकर शिकायत

अभिजीत ने आरोप लगाया कि शनिवार रात जंतर–मंतर पर टॉयलेट्स में पानी नहीं आ रहा था। उन्होंने 𝕏 पर लिखा– अधिकारियों से अपील करता हूं कि जंतर–मंतर प्रदर्शन स्थल के शौचालयों का पानी बंद न किया जाए। शनिवार रात से सार्वजनिक शौचालयों में पानी नहीं आ रहा है। प्रदर्शनकारियों का यह भी कहना था कि रात में कुछ समय के लिए लाइट बंद कर दी गई थी, जिसके चलते टॉयलेट तक पहुंचने में दिक्कत हुई।

मुंबई में बारिश, फिर एक्टिव हुआ मानसून

आगे बढ़ने के आसार, सोलापुर के पास 14 दिनों से रुका था; 8 राज्यों में तापमान 40डिग्री के पार

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/ पटना,एजेंसी।मुंबई को जिस बारिश का कई हफ्तों से इंतजार था, वह आखिरकार रविवार सुबह पहुंच गई। शहर के कई इलाकों में सीजन की पहली अच्छी बारिश हुई। इससे लंबे समय से गर्मी और उमस से परेशान लोगों को राहत मिली।

इस महीने की शुरुआत में मानसून दक्षिण कोंकण तक पहुंच गया था, लेकिन 8 जून से सोलापुर के पास रुका था। IMD ने कहा है कि 23 जून के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून के महाराष्ट्र और इससे आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं।

मुंबई में हो रही बारिश की एक बड़ी वजह पश्चिमी घाट में बनने वाले बादल हैं। अरब सागर से आने वाली नम हवाएं जब पश्चिमी घाट की पहाड़ियों से टकराती हैं, तो ऊपर उठकर ठंडी हो जाती हैं और घने बादलों में बदल जाती हैं। बाद में ऊपरी हवाएं इन बादलों को मुंबई ले आती हैं।देश के ज्यादातर हिस्सों में अभी प्री-मानसून एक्टिव है। इसके बावजूद 8 राज्यों में तापमान 40डिग्री के पार है। उत्तर प्रदेश का बांदा एक बार फिर देश में सबसे गर्म रहा। यहां शनिवार को पारा 44.2डिग्री रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में भी तापमान 40डिग्री दर्ज किया गया।

तीन राज्यों में बारिश संभव

मौसम विभाग के मुताबिक, 23 जून के आसपास मानसून महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ सकता है। 21 से 26 जून के बीच मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में बारिश हो सकती है। सैटेलाइट तस्वीरों में भी अब बादलों का दायरा बढ़ता दिखाई दे रहा है।यूपी–छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर अटका मानसून 23 जून को आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में मानसून को आगे बढ़ाने वाले सिस्टम एक्टिव हो गए हैं।

दिल्ली- ट्रेन में चढ़ने को लेकर यात्री की पीट-पीटकर हत्या

योगा एक्सप्रेस में सीट को लेकर विवाद; 8 हिरासत में

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर शनिवार सुबह योगा एक्सप्रेस की जनरल बोगी में चढ़ने को लेकर झड़प हो गई। सीट और चढ़ने की जल्दी में शुरू हुआ विवाद कुछ ही मिनटों में जानलेवा हमला बन गया। आरोप है कि यात्रियों के एक ग्रुप ने 32 साल के पंकज धामा को घेरकर लात-घूंसों से पीटा। पंकज प्लेटफॉर्म पर गिरकर अचेत हो गया। उसे जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हमले के वीडियो में कुछ युवक पंकज को पीटते और फिर ट्रेन में चढ़ते दिख रहे हैं। पुलिस ने केस दर्ज किया है।

- **दिल्ली मेट्रो में सिक्योरिटी गार्ड पंकज ड्यूटी से घर लौट रहा था :**पंकज धामा यूपी के बागपत का रहने वाला था। वह दिल्ली मेट्रो में सिक्योरिटी गार्ड था। घटना के समय वह ड्यूटी खत्म कर ट्रेन से घर लौट रहा था। परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं।
- **8 आरोपी मुजफ्फरनगर से हिरासत में लिए गए :**हमलावर भी यात्री थे। वारदात के बाद आरोपी ट्रेन में चढ़कर फरार हो गए। पुलिस ने मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन से 8 लोगों को हिरासत में लिया है। शाहदरा स्टेशन पर पुलिस और आरपीएफ चौकी है। इसके बावजूद प्लेटफॉर्म पर भीड़ के बीच पंकज को पीटा गया और हमलावर भाग निकले।

पंजाब के निहंग सिंहों का उत्तराखंड में गुरुद्वारे पर कब्जा

- **सेवादार को बंधक बनाया, रुद्रप्रयाग में अंतरजाल बंद**
- **भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल-प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी ने घेराबंदी की**

रुद्रप्रयाग/चंडीगढ़,एजेंसी।उत्तराखंड के चमोली स्थित कर्णप्रयाग में 16 जून को हुए विवाद के बाद शनिवार देर शाम रुद्रप्रयाग के नगरासू स्थित गुरुद्वारे में पंजाब से आए निहंगों ने कब्जा कर लिया। उन्होंने दो लोगों को बंधक भी बनाया। हालांकि, विवाद बढ़ने पर निहंगों ने एक व्यक्ति को छोड़ दिया, जबकि एक सेवादार को बंधक बनाए रखा।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने में जुट गए। हालांकि, हालात बिगड़ने पर सेना से मदद मांगी गई, जिसके बाद सेना की ओर से भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल को मौके पर भेजा गया। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के पहुंचने के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया गया, लेकिन इलाके में अभी भी तनाव बना हुआ है।

मौके पर पुलिस, प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल की भारी तैनाती की गई है। नगरासू में अंतरजाल बंद कर दिया गया है। आज सुबह रुद्रप्रयाग के जिला मजिस्ट्रेट विशाल मिश्रा निहंगों से बातचीत करने पहुंचे, लेकिन उन्होंने बात ही नहीं की। हालात को देखते हुए चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में धारा 163 लागू कर दी गई है, जो 27 जून तक प्रभावी रहेगी।

इधर, पंजाब में वारिस पंजाब दे के नेता मनप्रीत सिंह अयाली ने हेमकुंड यात्रा के दौरान सिखों की सुरक्षा की मांग की है। साथ ही उनका एक जत्था उत्तराखंड सरकार और प्रशासन से मुलाकात करने के लिए रवाना हुआ है। वहीं, विवाद के बाद गिरफ्तार किए गए मोहाली के सोहाना गांव निवासी सिखों के परिजन ने चमोली पुलिस को पत्र लिखकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

योगी बोले- बेटियों को छेड़ने वाला यमराज के घर जाएगा

सपा मोहर्रम-ईद पर उदंडता कराती, कांवड़ यात्रा-कृष्ण जन्मोत्सव पर रोक लगाती थी

महोबा/हमीरपुर,एजेंसी। सीएम योगी ने रविवार को हमीरपुर में कहा- सपा सरकार में हर जिले में एक माफिया होता था। ये माफिया जमीनों पर कब्जा करते थे। व्यापारी और बेटी के लिए संकट खड़ा करते थे। पुलिस पर हमला करते थे। छवि खराब होती थी- बुंदेलखंड की।

योगी ने कहा- आज माफिया के लिए कोई जगह नहीं है। माफिया अब जेल में है या मिट्?टी मिल गए। अब बेटी की सुरक्षा में कोई सेंध नहीं लगा सकता है। अगर ऐसा दुस्साह कोई करता है तो यमराज के घर जाएगा।कहा- 21 जून हो गया, लेकिन मानसून नहीं आया।

नेवी को मिले 3 स्वदेशी युद्धपोत

आईएनएस दूनागिरी ब्रह्मोस से लैस, रडार नहीं पकड़ पाएगा

कोलकाता,एजेंसी।तीन स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और पनडुब्बी रोधी आईएनएस अग्रय रविवार को भारतीय नौसेना में शामिल हुए। इन्हें देश में ही डिजाइन और बनाया गया है।

आईएनएस संशोधक एक बार में लगातार 12 हजार किलोमीटर तक जा सकता है। आईएनएस दूनागिरी 8 ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस है। वहीं,

आईएनएस संशोधक लगातार 12000 किमी तक चल सकता है

आईएनएस अग्रय भारतीय तटरेखा के पास मौजूद दुश्मन पनडुब्बियों को नष्ट कर सकता है।

इस दौरान कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह नए भारत की सबसे बड़ी ताकत है। आज भारत रक्षा क्षेत्र में केवल खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता। हमारी सैन्य शक्ति दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती। हमारी शक्ति की पहचान विश्व का बाजार बनने में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता में है।

आईएनएस संशोधक- समुद्र का नक्शा और सर्वे करेगा:

आईएनएस संशोधक सर्वे पोत (बड़ा) श्रृंखला का चौथा जहाज है। इसका काम युद्ध लड़ना नहीं, बल्कि समुद्र का सर्वे करना है। इसे तट और गहरे समुद्र में जलमापी सर्वेक्षण, समुद्री डेटा संग्रहण और रक्षा-नागरिक उपयोग के लिए बनाया गया है। बंदरगाहों और समुद्री मार्गों का सर्वे करना भी इसके मुख्य काम में शामिल है।

आईएनएस अग्रय- दुश्मन की पनडुब्बी खोजकर नष्ट करेगा:

आईएनएस अग्रय अर्नाला श्रेणी का चौथा पनडुब्बी रोधी युद्धक उथला जल पोत है। इसे हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी रॉकेट प्रक्षेपक और उन्नत सोनार प्रणाली से लैस किया गया है। जिससे यह तटों पर तैनात दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाकर उन्हें निशाना बना सकता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगमय हुआ दिल्ली-एनसीआर सीएम समेत दिग्गज नेताओं ने लिया भाग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर समेत आज यानी रविवार को पूरे देश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। दिल्ली में लाल किला, कनॉट प्लेस, कर्तव्य पथ के साथ ही डीडीए, एनडीएमसी व एमसीडी के पार्कों में एक साथ योग कार्यक्रम हो रहे हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आसोला-भाटी में नीली झील किनारे सैकड़ों योग साधकों के साथ योगाभ्यास में सम्मिलित हुईं।

इस अवसर पर सांसद श्री रामबीर सिंह बिधूड़ी, मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, विधायक श्री करतार सिंह तंवर सहित वरिष्ठ नेता व अधिकारी उपस्थित हुए। राजधानी दिल्ली स्थित जामा मस्जिद परिसर में लोगों के साथ योग करते गांधी स्मृति के उपाध्यक्ष विजय गोयल व दिल्ली भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अनीस अब्बासी।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिल्ली के इंडिया गेट पर आयोजित कार्यक्रम में सैंकड़ों लोगों ने एक साथ योग किया। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी गुरुग्राम में 12वें सालाना अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सेलिब्रेशन में शामिल हुईं। इस साल के योग दिवस की थीम है 'स्वस्थ उम्र बढ़ाने के लिए योग।'

भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने किया योग: भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने संसद परिसर में आयोजित कार्यक्रम में योग किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज एक ऐतिहासिक दिन है। आज प्रधानमंत्री मोदी ने योग को शांति और सद्भाव का इतना बड़ा नाम बना दिया कि पूरी दुनिया इसके साथ है।

शिप्रा सनसिटी में हुआ योग कार्यक्रम: गाजियाबाद की शिप्रा सनसिटी फेज दो में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दैनिक जागरण द्वारा आयोजित कार्यक्रम में योग करते लोग।

खेल मंत्री के साथ अभिनेता अक्षय कुमार ने किया योग: केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया और अभिनेता अक्षय कुमार ने दिल्ली में 12वें सालाना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में हिस्सा लिया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने किया योग: केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान दिल्ली में 12वें सालाना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में शामिल हुए।

इस साल के योग दिवस की थीम 'हेल्दी एजिंग के लिए योग' है।

दिल्ली सीएम ने दी योग दिवस की शुभकामनाएं

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'योग हमारी प्राचीन संस्कृति का अनुपम उपहार है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करता है। व्यस्त दिनचर्या में योग आत्मिक शांति एवं उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करता है। आज के दिन योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लें।' 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यमुना स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लाइव सुनते लोग। गुरुग्राम में योगाभ्यास करते साधक : 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सोहना ब्लॉक योग सत्र द्वारा भोंडसी स्थित लेबरम स्कूल में आयोजित योग कार्यक्रम में योगाभ्यास करते साधक। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सोहना के विधायक तेजपाल तंवर भी मौजूद रहे।

दिल्ली के एलजी ने किया योग

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यमुना खेल परिसर में आयोजित योग कार्यक्रम में दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा योग करते हुए।

इस साल क्या है योग की थीम : इस साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 'स्वस्थ आयु के लिए योग' की थीम के साथ मनाया जा रहा है।

विदेश मंत्री ने किया योग : विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 पर योगाभ्यास किया। भारत में नॉर्वे की राजदूत मे-एलिन स्टेनर भी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुईं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया योग : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 पर दिल्ली में आयोजित एक सामूहिक कार्यक्रम में शामिल हुए।

बंधवाड़ी में 37.73 एकड़ से ज्यादा में फैला लैंडफिल का कूड़ा, ड्रोन सर्वे से खुलासा; अब तेजी से होगा निस्तारण

गुरुग्राम, एजेंसी। अरावली की पहाड़ियों और वन क्षेत्र में स्थित बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर वर्षों से जमा कूड़े की वास्तविक स्थिति अब ड्रोन सर्वे के जरिए सामने आ गई है। नगर निगम गुरुग्राम की ओर से कराए गए सर्वे में पाया गया कि लैंडफिल पर कचरा करीब 37.73 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैला हुआ है। ड्रोन आधारित वाल्यूमेट्रिक असेसमेंट में कूड़े का अनुमानित आयतन 25.18 लाख घन मीटर से अधिक दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यदि जमीन के भीतर दबे यानी जमीन खोदकर लैंडफिल के लिए तैयार किए गड्ढे के कचरे का भी आकलन किया जाए तो कुल आयतन लगभग 35 लाख घन मीटर तक पहुंच सकता है। वर्तमान में साइट पर करीब 18 लाख मीट्रिक टन पुराना कूड़ा मौजूद है, जिसके निस्तारण का कार्य दो एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है।नगर निगम द्वारा बंधवाड़ी डंप साइट को वैज्ञानिक तरीके से बंद करने और यहां इंजीनियर्ड लैंडफिल विकसित करने की योजना के तहत यह सर्वे कराया गया। एक जून 2026 को ड्रोन सर्वे किया गया, जबकि रिपोर्ट नौ जून को तैयार की गई।

ड्रोन से ली तस्वारों का हुआ अध्ययन: सर्वे के दौरान पूरे डंपिंग ग्राउंड की उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें, थ्री-डी मॉडल, आर्थो फोटो, कंटूर मैप, ढलान विश्लेषण और वाल्यूमेट्रिक अध्ययन किया गया। रिपोर्ट में सामने आया कि कचरे का पहाड़ कई स्थानों पर 30 से 45 डिग्री ढलान पर है, जबकि कुछ हिस्सों में यह 60 डिग्री तक पहुंचता है। खोदाई वाले क्षेत्रों में ढलान 90 डिग्री तक भी दर्ज की गई।

सर्वे रिपोर्ट : ज्यादा क्षेत्र में फैल गया कूड़ा: रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि डंप साइट का क्षेत्रफल बढ़कर 37.73 एकड़ हो गया है कचरे का फैलाव इससे अधिक क्षेत्र तक पहुंच चुका है।

ड्रोन तकनीक से तैयार थ्री-डी माडल ने कचरे के ढेर के फैलाव और संरचना की स्टडी की गई है।

मानसून की धमाकेदार एंट्री: दिल्ली-यूपी समेत 23 राज्यों में झमाझम बारिश का अलर्ट, पहाड़ों पर भूस्खलन की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग ने एक बार फिर देश के बड़े हिस्से में भारी बारिश, आंधी और तूफान का अलर्ट जारी किया है। आज दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित 23 राज्यों में तेज बारिश और 80-90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, कई राज्यों में बिजली गिरने, तेज आंधी और कुछ स्थानों पर ओले गिरने की भी आशंका है। पूर्वोत्तर राज्यों में जोरदार आंधी के चलते पेड़ उखड़ने और संपत्ति को नुकसान पहुंचने का खतरा है। पहाड़ी राज्यों में यात्रा करने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

देश के 23 राज्यों में ढुस्ष्ठ का अलर्ट: मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 23 राज्यों, जिनमें उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, बंगास, ओडिशा, सिक्किम, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम, त्रिपुरा, मेघायल, केरल, तमिलनाडु, अंडमान निकोबार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगामा में भारी बारिश के अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी। लोगों को बारिश के साथ बिजली गिरने से सावधान रहने को भी कहा गया है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश के 35 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है।

हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में मौसम का हाल: भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने आज उत्तर भारत के प्रमुख पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में मौसम के मिजाज में बड़े बदलाव की चेतावनी जारी की है। पहाड़ों पर भूस्खलन की चेतावनी जारी की है। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण आज इन तीनों राज्यों के अधिकांश हिस्सों में तेज आंधी-तूफान, आकाशीय बिजली चमकने और मूसलाधार बारिश होने की प्रबल संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कई जिलों में विशेष अलर्ट भी जारी किया है, जिसके तहत मैदानी और पहाड़ी दोनों क्षेत्रों में 40 से लेकर 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से विनाशकारी हवाएं चल सकती हैं।

पहाड़ों पर होगी ओलावृष्टि: जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सुदूर ऊंचाई वाले इलाकों में आज गरज-चमक के साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि होने की आशंका है, जिससे अचानक तापमान में भारी गिरावट आएगी और ठंड बढ़ जाएगी। वहीं, हिमाचल प्रदेश के चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर जैसे प्रमुख पर्यटन व बागवानी क्षेत्रों में आज के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पश्चिम बंगाल दिवस पर पीएम मोदी का बांग्ला में संदेश, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को लिखा खास पत्र

कोलकाता, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल दिवस के अवसर पर एक विशेष संदेश जारी करते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को बांग्ला भाषा में पांच पन्नों का पत्र लिखकर राज्यवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। इस पत्र में प्रधानमंत्री ने बंगाल के ऐतिहासिक गौरव, राष्ट्रवाद और डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि औपनिवेशिक भारत में सबसे पहले बंगाल से ही 'वंदे मातरम' की गूंज उठी थी। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में हालिया बंगाल विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि अप्रैल-मई में राज्य के लोगों ने ऐसा जनादेश दिया है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि रिकार्ड मतदान, महिलाओं और युवाओं की अभूतपूर्व भागीदारी इस चुनाव की खास पहचान रही। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता ने भाजपा को आशीर्वाद देते हुए उम्मीद जताई है कि बंगाल अब सुशासन, विकास और नई आशाओं की राजनीति की ओर आगे बढ़ेगा। मोदी ने कहा कि राज्य के लोगों की इच्छा है कि बंगाल अपना खोया हुआ गौरव फिर हासिल करे, जो पुरानी और अप्रासंगिक विचारधाराओं के कारण कमजोर पड़ गया था। उन्होंने यह भी कहा कि यह जनादेश ऐसे समय आया है जब देश डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है, जिससे इसका महत्व और बढ़ जाता है। 'वंदे मातरम' का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भारत अंग्रेजी शासन के दमन का सामना कर रहा था, तब बंगाल से उठी यह आवाज पूरे देश के लिए प्रेरणा बनी।

इलाज कराने आ रहे हैं या जान जोखिम में डालने गाजियाबाद के संयुक्त अस्पताल में अर्थिंग के नाम पर बिछा है 'खतरे का जाल'

गाजियाबाद, एजेंसी। संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल के अधिकारी, चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी मनमानी कर रहे हैं। आलम यह है कि मरीजों के साथ खुद की सुरक्षा को भी खतरे में डाल रहे हैं। जांच में पता चला है कि अस्पताल के आपरेशन थियेटर,इमरजेंसी और पैथालाजी लैब में उच्च अर्थिंग वेल्यू की मानक से कई गुना अधिक है। प्रदेश सरकार द्वारा नामित अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाओं की मेंटेनेंस कंपनी साइरेक्स के अभियंताओं की स्थलीय जांच में इसका खुलासा हुआ है। जांच में पता चला है कि उक्त अस्पताल में उच्च अर्थिंग वेल्यू 80 वोल्टेज की बिजली आपूर्ति हो रही है। यह खतरनाक है। नियम है कि पांच वोल्टेज की आपूर्ति होनी चाहिये।मेडिकल उपकरणों में आग लगने की संभावना बढ़ गई है। साइरेक्स ने यह जांच रिपोर्ट सीएमएओ, सीएमएस और महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को भेजी है। यह निरीक्षण 28 अप्रैल को किया गया था। निरीक्षण एमएमजी अस्पताल में भी किया गया,जहां स्थिति सही पाई गई।

सुरक्षा के लिए अर्थिंग प्रतिरोध क्यों महत्वपूर्ण: अर्थिंग प्रतिरोध सीधे तौर पर सिस्टम की सुरक्षा और परिचालन विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। कम प्रतिरोध वाला पथ यह सुनिश्चित करता है कि फॉल्ट करंट जल्दी से समाप्त हो जाए, जिससे खतरनाक वोल्टेज का संचय रोका जा सके।

असम में अंबुबाची मेला की तैयारी तेज, कामाख्या मंदिर में 22 जून से शुरू होगा चार दिवसीय उत्सव

गुवाहाटी, एजेंसी। पूर्वी भारत के सबसे बड़े धार्मिक उत्सवों में से एक अंबुबाची मेला 2026 के लिए असम सरकार और कामाख्या मंदिर प्रबंधन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। गुवाहाटी की ऐतिहासिक नीलाचल पहाड़ी पर स्थित माँ कामाख्या मंदिर में इस वर्ष देश-विदेश से 8 लाख से अधिक श्रद्धालुओं, साधु-संतों और तांत्रिक साधकों के जुटने की उम्मीद है। देवी कामाख्या के वार्षिक मासिक धर्म चक्र और स्त्री शक्ति के प्रतीक के रूप में मनाया जाने वाला यह चार दिवसीय उत्सव 22 जून को 'प्रवृत्ति' के साथ शुरू होगा और 26 जून को 'निवृत्ति' के साथ समाप्त होगा। इस दौरान तीन दिनों तक मंदिर के कपाट पूरी तरह बंद रहेंगे और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और भोजन के विशेष प्रबंध किए गए हैं।असम की पर्यटन मंत्री अजंता नियोग ने मेले की व्यवस्था को लेकर कहा, 'यह देश का सबसे बड़ा धार्मिक अंबुबाची मेला है। भारत और विदेश से लाखों लोग यहां आते हैं। हम श्रद्धालुओं को पीने का पानी, भोजन, चिकित्सा सेवाएं और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर तरह से तैयार हैं। हमने निचले स्थानों पर शिविर और भोजन की व्यवस्था की है। लगभग 8 लाख लोगों के आने की उम्मीद है, इसलिए इस आयोजन का प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है। हम श्रद्धालुओं से अनुरोध करते हैं कि वे मेले के दौरान सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक कामाख्या मंदिर अवश्य आएं।'

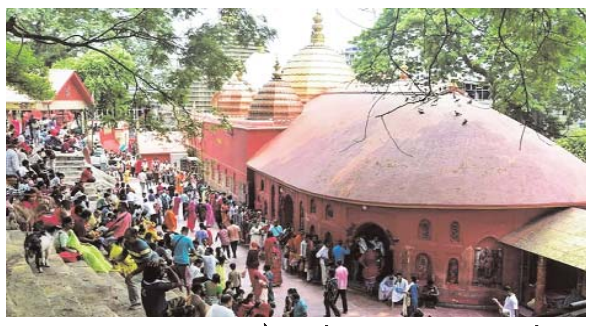

असम सरकार ने भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की

मेले के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, असम सरकार ने भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा, परिवहन और आवास सुविधाओं के लिए 24 विभागों में 4.55 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मंदिर अधिकारियों ने सभी ऑफलाइन विशेष दर्शन काउंटरों को भी बंद कर दिया है।

पोलैंड के राष्ट्रपति ने जेलेंस्की से सम्मान वापस लिया: यूक्रेनी अधिकारी नाराज क्या रूस के दबाव में हुआ फैसला

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोत्स्की द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान वापस लेने के फैसले पर यूक्रेन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम केवल रूस को फायदा पहुंचाएगा, क्योंकि मॉस्को चाहता है कि यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों के बीच मतभेद बढ़ें। राष्ट्रपति नवरोत्स्की ने शुक्रवार को घोषणा की कि जेलेंस्की से 'ऑर्डर ऑफ द व्हाइट ईगल' सम्मान वापस लिया जाएगा। यह फैसला जेलेंस्की द्वारा यूक्रेन की एक सैन्य इकाई का नाम 'यूक्रेनियन इंसर्जेंट आर्मी' (यूपीए) के नाम पर रखने के बाद लिया गया।

2023 में जेलेंस्की को मिला था सम्मान: यह सम्मान पूर्व पोलिश राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा ने वर्ष 2023 में जेलेंस्की को यूक्रेन की सुरक्षा, मानवाधिकारों की रक्षा और रूस के खिलाफ संघर्ष में उनके योगदान के लिए दिया था। विवाद की जड़ मई में जारी वह आदेश है, जिसमें जेलेंस्की ने यूक्रेन की विशेष सैन्य बलों की एक इकाई का नाम यूपीए के नाम पर रखा था। यूपीए 1940 और 1950 के दशक में सक्रिय संगठन था, जिस पर द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हजारों पोलिश नागरिकों की हत्या के आरोप हैं।

'यूक्रेन को पोलैंड का समर्थन नहीं होगा कम': राष्ट्रपति नवरोत्स्की ने कहा कि पोलैंड के अधिकांश लोगों के लिए यूपीए एक ऐसा संगठन है, जो युद्धकाल में पोलिश नागरिकों के खिलाफ क्रूर अपराधों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को पोलैंड का समर्थन कम हो जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख किरिलो बुडानोव ने इस कदम को यूक्रेनी जनता के प्रति 'अमित्र व्यवहार' बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला मॉस्को के लिए एक तोहफा है, जिसका इस्तेमाल रूस दोनों देशों के बीच दूरी बढ़ाने के लिए करेगा।

पोलैंड के फैसले को यूक्रेन ने बताया रणनीतिक गलती: यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भी इसे पोलैंड के राष्ट्रपति की 'रणनीतिक गलती' बताया। वहीं पोलैंड में यूक्रेन के राजदूत वासिल बोदनार ने कहा कि ऐसे समय में यह फैसला बेहद दुखद है, जब यूक्रेन लगातार रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहा है। विवाद बढ़ने के बाद यूक्रेन के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पोलैंड से मिले अपने सरकारी सम्मान लौटाने की घोषणा कर दी है। हालांकि यूक्रेन के पूर्व प्रधानमंत्री आर्सेनी यात्सेन्युक ने इस प्रतिक्रिया की आलोचना करते हुए कहा कि एक गलत फैसले का जवाब दूसरे गलत फैसले से नहीं दिया जाना चाहिए।

पहले वीडियो से दो-टूक जवाब, ट्रंप पर फिर बरसीं इतालवी पीएम मेलोनी कहा- आपकी दोस्ती से मदद नहीं

वॉशिंगटन/रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणियों को लेकर काफी गुस्से में हैं। पहले जहां उन्होंने उनके बयान के बाद वीडियो बनाकर जवाब दिया था, वहीं अब ट्रंप के ट्रुथ सोशल पर किए गए पोस्ट पर भी पलटवार किया है। मेलोनी ने इंस्टाग्राम पर लिखा- 'राष्ट्रपति ट्रंप, लगातार और बिना किसी वजह के किए जा रहे हमले बेमतलब हैं। जहां तक मेरी लोकप्रियता की बात है, तो आपके दोस्त होने से मुझे कोई मदद नहीं मिली है।' अपनी लोकप्रियता को लेकर मेलोनी ने ट्रंप से दो-टूक लहजे में कहा, 'यह आपके साथ मेरे रिश्तों पर निर्भर नहीं है। मेरी लोकप्रियता इटली के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की मेरी क्षमता पर निर्भर करती है, और मैंने हमेशा यही किया है।' उन्होंने कहा कि इटली में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के मामले में भी मैंने यही किया। उनके इस्तेमाल से जुड़े समझौतों का हमने हमेशा सम्मान किया है, और जब तक मैं प्रधानमंत्री हूं, उनका उल्लंघन नहीं किया जा सकता। इटली एक संप्रभु देश बना हुआ है। मेलोनी ने कहा कि मेरी लोकप्रियता के बारे में आपको चिंता करने की कोई जरूरत नहीं। मेरा सुझाव है कि आप अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दें।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर क्या किया पोस्ट: अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा- फ्रांस में जी-7 बैठक के दौरान इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी बार-बार मेरे साथ तस्वीर खिंचवाने की मांग कर रही थीं।

बलूचिस्तान में उत्पीड़न के खिलाफ ब्रिटेन ने खींचा दुनिया का ध्यान

यूनिसॉन सम्मेलन में उठा मुद्दा

क्वेटा, एजेंसी। भारत में बिगड़ते हालात पर दुनिया में आवाज उठाने वाला पाकिस्तान अपने ही देश में लोगों को जबरन गायब करने और हत्याओं को लेकर वैश्विक आलोचना का शिकार होता जा रहा है। ताजा मामलों के तहत बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा समेत कब्जे वाले कश्मीर को लेकर उसे आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिटेन में आयोजित सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र संघ (यूनिसॉन) ने एक कॉन्फ्रेंस में बलूचिस्तान के मानवाधिकारों के हालात पर सबका ध्यान खींचा। 16 जून से जारी इस वार्षिक प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन में ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों ने बलोच कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती गायब करने, बिना कानूनी प्रक्रिया के हत्याओं, अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदियों और बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के सदस्यों की हिरासत पर पाकिस्तान की आलोचना की। बलोच कार्यकर्ता ओमर करीम ने यह मुद्दा उठाया। कार्यक्रम में ब्रिटेन भर से आए करीब 1,000 प्रतिनिधियों और इतने ही ऑब्जर्वरों ने इन हालात को बेहद खतरनाक बताया।

ब्रिटेन में किया वैश्विक ध्यानाकर्षण: ब्रिटेन में जारी अभियान का मकसद दुर्व्यवहार की रिपोर्टों पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करना और जवाबदेही व न्याय के लिए समर्थन को बढ़ावा देना था। करीम ने दुनिया भर में ट्रेड यूनियनों, राजनीतिक संगठनों और मानवाधिकार मंचों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए बलोच समुदाय के लोगों से आह्वान किया गया। कार्यक्रम में बलूचिस्तान, खैबर-पख्तूनख्वा और सिंध जैसे राज्यों में महिलाओं और बच्चों पर होने वाले उत्पीड़न की तरफ ध्यान खींचा गया।

क्वेटा जेल में बंद बीवाईसी नेताओं के प्रदर्शन पर अफसरों की निंदा: बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के हिरासत में लिए गए नेताओं ने क्वेटा की हुडा जेल में लगातार छठे दिन अपना धरना जारी रखा। वे एक ऐसी न्यायिक प्रक्रिया को चुनौती दे रहे हैं जिसे वे अपारदर्शी मानते हैं। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह विरोध अधिकारियों के उस फैसले के खिलाफ है जिसमें खुली अदालत के बजाय फेसलेस ट्रायल (बिना आमने-सामने की सुनवाई) के जरिये अदालती कार्यवाही की जा रही है। जेल के भीतर इस विरोध प्रदर्शन में बीवाईसी की मुख्य आयोजक महरंग बलोच, बीबो बलोच, गुलजादी और कई अन्य लोग शामिल हैं। ये सभी मार्च 2025 से हिरासत में हैं। इन लोगों ने ट्रायल के इस नए तरीके को मानने से इन्कार कर दिया है। बीवाईसी का तर्क है कि सार्वजनिक सुनवाई हर आरोपी का एक मौलिक सांविधानिक और कानूनी अधिकार है। एक वीडियो बयान में, महरंग बलोच की बहन ने कहा, बलूचिस्तान के प्रॉसिक्यूटर जनरल प्रांतीय गृह मंत्रालय का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

सिख दंपती की हत्या पर पाकिस्तानी मानवाधिकार आयोग गंभीर

पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने मरदान में सिख दंपती की हत्या को गंभीरता से लिया है। आयोग ने इस घटना को देश भर में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और पूजा स्थलों की हिफाजत के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया। मारे गए दोनों लोग मरदान के बाबू मोहल्ला में एक गुरुद्वारे की देखभाल करते थे, जहां एक हमले में उनकी मौत से अल्पसंख्यक अधिकार समर्थकों में भारी चिंता है। आयोग ने कहा, ये हत्याएं न केवल अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, बल्कि हमले से जुड़े हालात को लेकर भी गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं। आयोग ने पुलिस के उन सार्वजनिक बयानों पर भी चिंता जताई।

स्वस्थ आयु के लिए योग : सामूहिक योगाभ्यास से दिया निरोग जीवन का संदेश योग को बनाएं जीवनशैली, स्वस्थ भविष्य की रखें नींव : सांसद

योग है स्वस्थ, अनुशासित और सशक्त जीवन का आधार : विधायक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर जिले के छत्रसाल स्टेडियम सहित विभिन्न स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ आयोजित किए गए। जिला स्तरीय कार्यक्रम छत्रसाल स्टेडियम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक सीधी रीती पाठक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, कलेक्टर विकास मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, युवा एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता कर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सजीव प्रसारण किया गया प्रधानमंत्री ने स्वस्थ आयु के लिए योग की थीम पर बल देते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं बल्कि जीवन को संतुलित ऊर्जावान और सकारात्मक बनाने की भारतीय संस्कृति की अमूल्य विरासत है उन्होंने युवाओं से तनावमुक्त, अनुशासित और स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योग अपनाने का आह्वान किया सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों से आज योग विश्व के करोड़ों लोगों की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति का ऐसा अमूल्य ज्ञान है जो शरीर को निरोग मन को शांत और व्यक्तित्व को सशक्त बनाता है उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि यदि युवा प्रतिदिन योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें तो वे न केवल शारीरिक रूप से फिट रहेंगे बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे विधायक सीधी रीती पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को वैश्विक पहचान दिलाकर भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को विश्व पटल पर स्थापित किया है वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में योग संस्कृति को व्यापक जनभागीदारी के साथ बढ़ावा दिया जा रहा है योग हमारी प्राचीन परंपरा के साथ आधुनिक जीवन की आवश्यकता भी है आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग युवाओं को सकारात्मक सोच आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन प्रदान करता है जिससे वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नागरिकों से नियमित योग अपनाने, परिवार एवं समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा योग को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का आह्वान किया सामूहिक योगाभ्यास के माध्यम से जिलेवासियों ने स्वस्थ जीवन सशक्त समाज और विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प भी लिया।

कुकराव गांव में जमीन विवाद को लेकर एक ही परिवार के दो पक्ष भिड़े, पुलिस ने संभाली स्थिति

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सिंगरौली जिले के तिनगुडी चौकी क्षेत्र अंतर्गत कुकराव गांव में रविवार को जमीन विवाद को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और गांव में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया तिनगुडी चौकी प्रभारी अमन वर्मा के अनुसार यह विवाद गजेंद्र गुप्ता और संजय गुप्ता के परिवारों के बीच है जो आपस में रिश्तेदार भी हैं बताया गया कि गजेंद्र गुप्ता संजय गुप्ता के मामा हैं जानकारी के अनुसार, गजेंद्र गुप्ता के पिता द्वारा लगभग दो एकड़ जमीन अपने नाती संजय गुप्ता के नाम कर दी गई थी जिसे लेकर लंबे समय से पारिवारिक मतभेद चल रहा था रविवार को जमीन के स्वामित्व और कब्जे को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते तीखी बहस और धक्का-मुक्की में बदल गई। इस दौरान दोनों ओर से लोग लोहे के औजार लेकर आमने-सामने आ गए जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल गांव पहुंची और दोनों पक्षों को अलग कर मामला शांत कराया पुलिस ने मौके से स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक जानकारी एकत्र की पुलिस के अनुसार इस घटना में किसी भी पक्ष को गंभीर चोट नहीं आई है दोनों पक्षों ने तिनगुडी चौकी पहुंचकर एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है पुलिस ने दोनों पक्षों के आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में स्थिति सामान्य है लेकिन एहतियात के तौर पर पुलिस द्वारा निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना दोबारा न हो।

जोगी पहाड़ी गांव में आगजनी से हड़कंप, पीड़ित परिवार का सड़क पर प्रदर्शन; दो घंटे चक्का जाम के बाद पुलिस ने दिया कार्रवाई का भरोसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली जनपद पंचायत की दादर ग्राम पंचायत के जोगी पहाड़ी गांव में रविवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक घर में आगजनी और मारपीट की गंभीर घटना सामने आई इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया और आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन की कथित ढीली कार्रवाई के विरोध में सड़क पर उतरकर चक्का जाम कर दिया पीड़ित सुदर्शन साकेत ने आरोप लगाया कि रविवार सुबह लगभग 6 बजे गांव के ही सूर्यभान साकेत अपने कुछ साथियों के साथ उनके घर पहुंचे आरोप है कि पहले घर की महिलाओं के साथ गाली-गलौज की गई और फिर मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया इसके बाद हमलावरों ने घर में आग लगा दी और मौके से फरार हो गए आग इतनी तेजी से फैली कि घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन और फर्नीचर सहित पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मड़वास थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने दोपहर लगभग 12 बजे सड़क पर प्रदर्शन शुरू कर दिया पीड़ित परिवार अपनी पत्नी और बच्चों के साथ सड़क पर धरने पर बैठ गया और घर से बचा हुआ सामान-चारपाई, कुर्सी, टेबल और बर्तन-सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोप लगाया कि दबंगों के खिलाफ समय पर सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है जिससे उनका आक्रोश बढ़ता जा रहा है स्थिति को देखते हुए दोपहर करीब ढाई बजे मड़वास थाना प्रभारी अतर सिंह और बिजली विभाग के जेई राजेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाइश दी और निष्पक्ष जांच, आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया पुलिस के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने प्रदर्शन समाप्त किया और लगभग दो घंटे बाद मार्ग को पुनः चालू कर दिया गया।

आरसेटी सीधी के महिला परिधान प्रशिक्षण बैच का समापन, 31 महिलाओं ने सीखे स्वरोजगार और उद्यमिता के गुर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सीधी द्वारा संचालित 31 दिवसीय महिला परिधान प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं भारत सरकार के संयुक्त उपक्रम के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 31 महिला प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लेकर आधुनिक परिधान निर्माण, सिलाई-कटाई, डिजाइनिंग एवं उद्यमिता से संबंधित व्यावहारिक कौशल हासिल किए समापन समारोह में आरसेटी के निदेशक ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कौशल विकास ही आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है उन्होंने कहा कि फैशन एवं डिजाइनर परिधानों की बढ़ती मांग महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर लेकर आई है यदि महिलाएं अपने कौशल का सही उपयोग करें तो वे न केवल स्वयं आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर सकती हैं उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं से आग्रह किया कि वे अर्जित ज्ञान और अनुभव का उपयोग कर स्वयं का व्यवसाय स्थापित करें तथा अपने परिवार और समाज के आर्थिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को केवल तकनीकी प्रशिक्षण ही नहीं बल्कि उद्यमिता विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रदान की गईं। प्रशिक्षण अवधि में प्रतिभागियों को व्यवसाय स्थापना, विपणन रणनीति, वित्तीय प्रबंधन, ग्राहक सेवा तथा बैंकिंग प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई गई तथा इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों के स्वरोजगार के लिए बैंक ऋण आवेदन भी तैयार कराए गए इससे महिलाओं को प्रशिक्षण के बाद स्वयं का उद्यम शुरू करने में सहायता मिलेगी। समापन समारोह में रीवा से आए मुख्य असेसर पीयूष त्रिवेदी, सुषमा त्रिपाठी एवं भारती पाण्डेय (डीएसटी) ने प्रशिक्षणार्थियों के कौशल का मूल्यांकन किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार किए गए परिधानों और डिजाइनिंग कार्यों की सराहना करते हुए गुणवत्ता, नवाचार और बाजार की मांग के अनुरूप कार्य करने की सलाह दी। कार्यक्रम में संकाय सदस्य रेनू सिंह, संतोष कुमार साहू, रानी साकेत सहित आरसेटी का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा सभी ने प्रशिक्षणार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सोन नदी में डूबने से मृत चार व्यक्तियों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सोन नदी के भवरसेन घाट में डूबने से हुई चार व्यक्तियों की मृत्यु के प्रकरण में उपखंड अधिकारी रामपुर नैकिन विकास आनंद द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के प्रावधानों के तहत उनके निकटतम परिजनों के लिए चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है इस प्रकार कुल 16 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है जारी आदेश के अनुसार ज्योति सेन उर्फ विद्याभारती सेन निवासी ग्राम बूढ़ाबाउर, जिला मैहर के निधन पर उनके पिता रामाधार सेन को चार लाख रुपये, नीलू बैस निवासी ग्राम बूढ़ाबाउर के निधन पर उनके पति मनीष सिंह बैस को चार लाख रुपये, सुभी सेन निवासी ग्राम बल्हौड़, जिला उमरिया के निधन पर उनके पिता रामदयाल सेन को चार लाख रुपये तथा लखन केवट निवासी ग्राम घोघटपुर, जिला राजगढ़ के निधन पर उनकी पत्नी निर्मला केवट को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह सभी घटनाएं 15 जून 2026 को सोन नदी के भवरसेन घाट में डूबने से हुई थीं। तहसीलदार रामपुर नैकिन के प्रतिवेदन, हल्का पटवारी की रिपोर्ट, स्थल पंचनामा एवं अन्य अभिलेखों के आधार पर प्रकरणों का परीक्षण कर यह राहत राशि स्वीकृत की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आपदा की इस दुखद घटना में प्रभावित परिवारों को नियमानुसार शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है जिससे उन्हें तत्काल राहत मिल सके।

दिव्यांग महिला ने विधायक का पैर पकड़कर लगाई गुहार, ट्राई साइकिल न मिलने पर प्रशासन पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में शनिवार को आयोजित एक स्वास्थ्य शिविर के समापन के दौरान भावुक कर देने वाला मामला सामने आया, जहां एक आदिवासी दिव्यांग महिला ने ट्राई साइकिल की मांग को लेकर विधायक रीति पाठक का पैर पकड़ लिया। यह घटना सेमरिया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर आयोजित शिविर के दौरान हुई, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जानकारी के अनुसार, महिला छोटी रावत ने बताया कि उसने ट्राई साइकिल के लिए कई बार आवेदन दिए और गोपद बनास एसडीएम राकेश शुक्ला सहित संबंधित अधिकारियों से लगातार गुहार लगाई, लेकिन उसे केवल आश्वासन ही मिला और कोई ठोस सहायता नहीं मिली। लंबे समय से परेशान महिला ने अंततः कार्यक्रम के दौरान विधायक के समक्ष अपनी व्यथा व्यक्त की प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला की स्थिति देखकर विधायक रीति पाठक भी आश्चर्यचकित रह गईं। उन्होंने भावुक प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'मोर बप्पा रे... अभी तक इनका रिक्सा नहीं मिला!' इसके बाद उन्होंने मौके पर मौजूद एसडीएम की ओर देखा, लेकिन बताया जा रहा है कि प्रशासनिक अधिकारी की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी गई स्थिति को देखते हुए विधायक ने मौके पर मौजूद भाजपा कार्यकर्ता को निर्देश दिया कि महिला का नाम और पता दर्ज किया जाए ताकि उसकी समस्या का शीघ्र समाधान किया जा सके। इसी दौरान विधायक ने महिला से कहा, 'छोड़ो मेरा पैर, नहीं तो मैं गिर जाऊंगी,' जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने महिला को संभालते हुए उनका हाथ हटवाया इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू राम सिंह, गोपद बनास एसडीएम राकेश शुक्ला सहित कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जिला जेल एवं जिला न्यायालय परिसर में योग सप्ताह का सफल समापन

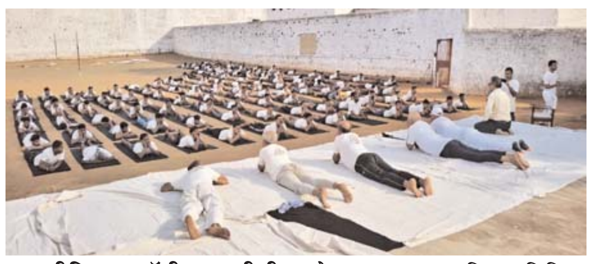

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर "स्वस्थ आयु के लिए योग" थीम के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीधी द्वारा आयोजित सप्ताहव्यापी योग कार्यक्रम का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ उच्च न्यायालय एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह का आयोजन किया गया योग सप्ताह के दौरान जिला जेल सीधी एवं जिला न्यायालय परिसर में प्रतिदिन योग, प्राणायाम और ध्यान संबंधी गतिविधियां आयोजित की गईं कार्यक्रम का उद्देश्य शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना था जिला जेल सीधी में आयोजित योग सत्रों में निरुद्ध बंदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में बंदियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की क्रियाओं का अभ्यास किया इस दौरान उन्हें तनाव प्रबंधन, मानसिक संतुलन तथा सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण विकसित करने के संबंध में भी जानकारी दी गई अधिकारियों ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है जो व्यक्ति को स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान करता है। जिला जेल में आयोजित कार्यक्रम में जेलर के.के. तिवारी, जेल स्टाफ तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से योग प्रशिक्षक शैलेन्द्र सिंह, राममणि त्रिपाठी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल की टीम एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को नियमित योगाभ्यास अपनाने के लिए प्रेरित किया गया इसी क्रम में जिला न्यायालय परिसर सीधी में भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दीपक शर्मा सहित सभी न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालयीन कर्मचारियों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी-कर्मचारियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया योग शिविर में अधिवक्ता आशुतोष गुप्ता, प्रमोद कुमार मिश्रा, वी.के. शुक्ला एवं रामरंजन पाण्डेय ने योग गुरु के रूप में विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया साथ ही योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की विस्तृत जानकारी भी दी गई कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी प्रतिभागियों, योग प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

वैढ़न-1 जल योजना की सुस्ती पर कलेक्टर सख्त, एजेंसी को टर्मिनेशन की चेतावनी

कलेक्टर गौरव बैनल ने निरीक्षण में 82' प्रगति पर जताई नाराजगी, नोटिस जारी करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों के हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी वैढ़न-1 समूह जल प्रदाय योजना की धीमी प्रगति पर कलेक्टर गौरव बैनल ने सख्त रुख अपनाया है। रविवार को उन्होंने मध्यप्रदेश जल निगम के अंतर्गत कार्यरत निर्माण एजेंसी एम/एस डब्ल्यूपीआईएल द्वारा संचालित परियोजना का औचक निरीक्षण किया और कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान परियोजना की धीमी गति और निर्धारित लक्ष्यों से पीछे रहने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की उन्होंने इंटेक वेल एवं जल शोधन संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया अधिकारियों ने जानकारी दी कि योजना की कुल भौतिक प्रगति अब तक केवल 82 प्रतिशत तक ही पहुंच पाई है। कलेक्टर को बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति के लिए प्रस्तावित 114 उच्च स्तरीय जलाशयों (ओएचटी) में से 22 का निर्माण कार्य अभी शुरू भी नहीं हो सका है वहीं इंटेक वेल का कार्य लगभग 70 प्रतिशत तक ही पूर्ण हुआ है इसके अलावा जल आपूर्ति परीक्षण की स्थिति भी अत्यंत धीमी पाई गई जहां अब तक केवल एक ही गांव में टेस्टिंग शुरू की जा सकी है इस स्थिति पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि पेयजल जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण जनहित योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामीणों को समय पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें देरी गंभीर प्रशासनिक लापरवाही मानी जाएगी कलेक्टर गौरव बैनल ने कहा निर्धारित माइलस्टोन के अनुरूप कार्यों की प्रगति न होना अत्यंत गंभीर विषय है यदि निर्माण एजेंसी तत्काल गति नहीं बढ़ाती है तो उसके विरुद्ध अनुबंध समाप्ति (टर्मिनेशन) की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मध्यप्रदेश जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण एजेंसी के खिलाफ टर्मिनेशन नोटिस तत्काल जारी किया जाए साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यह अंतिम अवसर है और इसके बाद किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न हो और तय समय-सीमा के भीतर परियोजना को पूर्ण किया जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में नल से जल की सुविधा शीघ्र प्रारंभ हो सके। कलेक्टर ने कहा कि यह परियोजना हजारों ग्रामीण परिवारों के जीवन से जुड़ी हुई है और इसमें किसी भी प्रकार की देरी सीधे जनता को प्रभावित करती है उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध रूप से लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने साफ किया कि अब केवल परिणाम आधारित कार्य ही स्वीकार्य होंगे।

एक थोपे युद्ध का अंत

संपादकीय

दुनिया ने राहत की सांस महसूस की होगी! आर्थिक मंदी, ऊर्जा-खाद्य संकट और तबाही की भयावहता अब नहीं डराएगी। ईरान का 47 साल लंबा वैश्विक वनवास और पाबंदियां अब समाप्त होंगी। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से ईरान के 11 जहाज कच्चा तेल लेकर गुजरे। कतर की एलएनजी के टैंकर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के जहाज भी गुजरने लगे हैं। युद्ध से पहले जो होर्मुज था, उसका वही स्वरूप और रास्ता खुलने लगा है। अमरीका ने भी होर्मुज-ओमान खाड़ी में अपनी सैन्य नाकेबंदी हटा ली है। अमरीकी सेनाएं भी धीरे-धीरे लौट जाएंगी। यह अमरीका-ईरान के बीच समझौते के मसविदे पर हस्ताक्षर कर सहमति देने के बाद के माहौल, उल्लास, निष्कंटक आवाजाही के दृश्य हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पेरिस के 'वर्साय पैलेस' में, जी-7 सम्मेलन के दौरान ही, समझौते के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए और फिर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दस्तखत किए। इसी के साथ 110 दिन से जारी ईरान युद्ध समाप्त हो गया। बमबारी, मिसाइल, ड्रोन की भयानक आवाजें, विस्फोट, आग की लपटें और धुआं, अंततः विध्वंस का दौर थम गया। मानवता जिंदा रह सकेगी, फिलहाल यह तय किया गया है। अब आगे के 60 दिन वार्ताओं के दौर जारी रहेंगे। अंतिम समाधान और सहमति तय की जाएगी, लेकिन यह निश्चित है कि राष्ट्रपति ट्रंप अब युद्ध का आदेश नहीं देंगे। इस युद्ध ने उनकी कई गलतफहमियां दूर की हैं, युद्ध के बारे में वह आत्ममंथन कर रहे होंगे, शायद क्यूबा को भी बख्श देंगे और इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि हरेक देश वेनेजुएला नहीं होता। यह युद्ध-समाप्ति बेहद त्रासद रही है, क्योंकि कुल 7500 से अधिक मौतें हुई। पेंटागन और ईरान वॉर कॉस्ट ट्रैकर के मुताबिक, दोनों देशों को करीब 162 लाख करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा है। दुनिया के वे देश, जिनका युद्ध से प्रत्यक्ष संबंध नहीं था, उन्हें भी करीब 112 लाख करोड़ रुपए की चपत लगी। खाड़ी देशों को करीब 194 अरब डॉलर का नुकसान ही झेलना नहीं पड़ा, बल्कि करीब 36 लाख नौकरियां/रोजगार खत्म हो गए। करीब 40 लाख लोग गरीबी-रेखा के नीचे जाने को विवश हुए। अमरीका-इजरायल ने ईरान पर करीब 2500 हमले किए और उसे खंडहर बना दिया। अकेले ईरान को करीब 30 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और अमरीका को भी करीब 10.64 लाख करोड़ रुपए फूंकने पड़े। उसकी 10 लाख करोड़ रुपए की मिसाइलें और ड्रोन ईरान ने तबाह कर दिए। अमरीका के 15 सैनिक भी मारे गए और खाड़ी देशों में उसके सैन्य ठिकानों को भी नष्ट कर दिया गया है। 'सुपर पॉवर' की छवि, बेशक, खंडित हुई है। यह माना जा सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को इस समझौते के लिए तैयार होना पड़ा, कदाचित झुकना पड़ा। उन्होंने जी-7 बैठक के दौरान यह स्वीकार कर सभी को चौंका दिया कि चार सप्ताह में रिजर्व खत्म हो जाते। दुनिया भर के रिजर्व भी खत्म हो जाते। तेल-गैस खत्म हो जाते, तो दुनिया में अराजकता फैल जाती। महत्वपूर्ण और घातक हथियारों के भंडार भी खत्म हो रहे थे।

होर्मुज खुलने से सस्ता होगा तेल, महंगाई घटेगी और भारतीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा बड़ा सहारा

कांतिलाल मांडोत

ईरान और अमेरिका के बीच 110 दिनों तक चले तनाव और संघर्ष के बाद हुए शांति समझौते ने पूरी दुनिया को राहत की सांस लेने का अवसर दिया है। इस समझौते का सबसे सकारात्मक प्रभाव भारत पर पड़ने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले कुछ महीनों में भारत में महंगाई की दर 0.5 से 0.8 प्रतिशत तक घट सकती है। इसके साथ ही पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में भी राहत मिलने की संभावना है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लौटने से भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है।

भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में पश्चिम एशिया में किसी भी प्रकार का तनाव सीधे भारतीय बाजार और आम लोगों की जेब पर असर डालता है। युद्ध के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा आने से तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई थी और कच्चे तेल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई थीं। अब ईरान द्वारा होर्मुज को बिना शर्त खोलने की घोषणा के बाद वैश्विक तेल आपूर्ति सामान्य होने लगी है, जिससे ऊर्जा कीमतों पर दबाव कम होगा।

युद्ध के दौरान भारतीय बास्केट के कच्चे तेल का भाव 69 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 157 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि अब यह घटकर लगभग 78 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया है, लेकिन फिर भी युद्ध पूर्व स्तर से करीब 14 प्रतिशत अधिक है। इसके बावजूद विशेषज्ञों का मानना है कि यदि शांति प्रक्रिया स्थायी रहती है तो अगले कुछ महीनों में तेल की कीमतों में और कमी आ सकती है। इसका सीधा लाभ भारतीय उपभोक्ताओं को मिलेगा।

महंगाई नियंत्रण की दिशा में यह समझौता महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें कम होने से परिवहन लागत घटेगी। परिवहन सस्ता होने का असर खाद्यान्न, सब्जियों, फल, दूध, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर दिखाई देगा। इससे बाजार में वस्तुओं की कीमतों पर दबाव कम होगा और आम परिवारों के घरेलू बजट को राहत मिलेगी।

रसोई गैस की कीमतों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। युद्ध के दौरान घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 942 रुपये तक पहुंच गए थे। ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होने के बाद इन कीमतों में कमी की संभावना बढ़ गई है। इससे विशेष रूप से मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों को राहत मिलेगी।

भारत के लिए इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू ऊर्जा सुरक्षा भी है। ईरान पर लगे आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंध हटने की स्थिति में भारत के लिए वहां से सीधे तेल और गैस खरीदने का मार्ग फिर से खुल सकता है। इससे भारत को तेल आयात के अधिक विकल्प मिलेंगे और वह बेहतर कीमतों पर ऊर्जा खरीद सकेगा। ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा।

चाबहार बंदरगाह को लेकर भी भारत के लिए यह समझौता बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत ने इस रणनीतिक परियोजना में लगभग 1400 करोड़ रुपये का निवेश किया है। ईरान पर प्रतिबंधों के कारण इस परियोजना की संभावनाएं सीमित हो गई थीं, लेकिन अब परिस्थितियां बदलने से चाबहार बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक व्यापारिक पहुंच का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इससे भारत के निर्यात और क्षेत्रीय व्यापार को नई गति मिलेगी।

खाड़ी देशों में कार्यरत भारतीयों के लिए भी यह समझौता राहत लेकर आया है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, बहरीन और ओमान सहित खाड़ी क्षेत्र में लगभग 95 लाख भारतीय काम करते हैं। युद्ध और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण उनकी नौकरियों तथा आय पर संकट के बादल मंडराने लगे थे। शांति स्थापित होने से रोजगार की स्थिरता बनी रहेगी और भारत को मिलने वाली विदेशी मुद्रा भी सुरक्षित रहेगी।

युद्ध के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान उठाना पड़ा। अनुमान है कि इस संघर्ष से दुनिया को लगभग तीन ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ।

काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार पांच विकार बनाम आपदा में अवसर

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

काम क्रोध, लोभ, मोह और अहंकारः मानव स्वभाव -आध्यात्मिक दृष्टिकोण से आपदा में अवसर का अर्थ इन नकारात्मक ऊर्जाओं को सकारात्मक दिशा में मोड़ना

काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार भावनाओं को समाज कल्याण, लोक कल्याण, धार्मिक सहायता, सांस्कृतिक संरक्षण और जनहित के कार्यों में नियोजित किया जाए,तो यही पंचविकार मानव उत्थान और सामाजिक परिवर्तन के साधन बन सकते हैं -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता के विकास का इतिहास केवल भौतिक प्रगति का इतिहास नहीं है, बल्कि यह मानवीय भावनाओं,प्रवृत्तियों और मानसिक अवस्थाओं के निरंतर संघर्ष,संतुलन और परिष्कार का भी इतिहास है।भारतीय दर्शन में काम,क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार को सामान्यतःपंचविकार कहा गया है। धर्मग्रंथों,संत साहित्य और आध्यात्मिक परंपराओं में इनका उल्लेख ऐसे तत्वों के रूप में किया गया है जो मनुष्य को पतन की ओर ले जा सकते हैं।किंतु यदि इनका गहन अध्ययन किया जाए तो स्पष्ट होता है कि ये भाव स्वयं में न तो पूर्णतः अच्छे हैं और न ही पूर्णतःबुरे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि इन पांच विकारों का सदुपयोग करने और उन्हें अवसर में बदलने की अवधारणा को हम इस प्रकार समझ सकते हैंः काम (इच्छा/उत्साह)ःइसे वासना के बजाय कुछ बड़ा हासिल करने या उत्कृष्ट लक्ष्य (जैसे रचनात्मक कार्य या समाज सेवा) के प्रति जुनून में बदलें।क्रोध (रोष)ःइसे दूसरों या स्वयं के विनाश के बजाय, अन्याय और अपनी कमियों के खिलाफ लड़ने की दृढ़ शक्ति में बदलें।लोभ (लालच)ः भौतिक वस्तुओं के लालच को ज्ञान, अच्छे कर्म, और आध्यात्मिक उन्नति के प्रति लालसा में बदलें,मोह (लगाव)ः सांसारिक मोह को अपने काम, परिवार और मानवता के प्रति सच्ची प्रेम भावना में बदलें अहंकार (घमंड)ः इसे मैं सबसे श्रेष्ठ हूँ के झूठे अहंकार से निकालकर मैं सब कुछ सीख सकता हूँ के आत्मविश्वास में बदलें।

साथियों वास्तव में ये मानव व्यक्तित्व की स्वाभाविक शक्तियां हैं, जिनका परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि उनका उपयोग किस उद्देश्य और किस दिशा में किया जा रहा है। यदि इन्हीं भावनाओं को समाज कल्याण,लोक कल्याण, धार्मिक सहायता,सांस्कृतिक संरक्षण और जनहित के कार्यों में नियोजित किया जाए,तो यही पंचविकार मानव उत्थान और सामाजिक परिवर्तन के साधन बन सकते हैं।भारतीय चिंतन सदैव यह कहता रहा है कि मनुष्य का मूल्यांकन केवल उसके भीतर उत्पन्न होने वाले भावों से नहीं,बल्कि उन भावों के उपयोग और परिणामों से किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए काम केवल भौतिक इच्छा नहीं है, बल्कि सृजन की प्रेरणा भी है। क्रोध केवल विनाश का माध्यम नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी बन सकता है। लोभ यदि व्यक्तिगत स्वार्थ तक सीमित रहे तो हानिकारक है, किंतु यदि वह समाज के लिए अधिक से अधिक संसाधन जुटाने की आकांक्षा में परिवर्तित हो जाए तो विकास का माध्यम बन सकता है। मोह यदि केवल व्यक्तियों तक सीमित न रहकर संस्कृति, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण का रूप ले ले तो वह सामाजिक एकता का आधार बन जाता है। इसी प्रकार अहंकार यदि आत्ममुग्धता न बनकर आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में परिवर्तित हो जाए तो समाज को दिशा देने का कार्य करता है। इसलिए यह मान लेना कि इन भावों का उदय होते ही व्यक्ति गलत मार्ग पर चल पड़ा है, एक अधूरी और सतही समझ होगी।

साथियों बात अगर हम इन पांचो विकारों में से किसी एक की तुलना महाराष्ट्र शासन की एक कमेटी क़े निर्णय से करें तो 17 जून 2026 को महाराष्ट्र में मंत्री आशीष शेलार की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उपसमिति द्वारा 44 मामलों को वापस लेने की सिफारिश इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। इससे पहले 29 सितंबर 2025 को भी 77 मामलों को वापस लेने की सिफारिश की गई थी। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि सरकार केवल एक बार की कार्रवाई नहीं कर रही, बल्कि एक संस्थागत व्यवस्था विकसित करने का प्रयास कर रही है जिसके माध्यम से ऐसे मामलों की नियमित समीक्षा की जा सके। यह दृष्टिकोण प्रशासनिक संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक माना जा सकता है।इन मामलों की प्रकृति पर ध्यानदेना भी आवश्यक है।समिति द्वारा जिन मामलों को वापस लेने की सिफारिश की जाती है,वे मुख्य रूप से गणेशोत्सव, नवरात्रोत्सव, दहीहंडी, श्रमिक आंदोलनों, सामाजिक कार्यक्रमों तथा विभिन्न वैचारिक या जनहित आंदोलनों से जुड़े होते हैं। ऐसे आयोजनों में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी होती है और कभी-कभी प्रशासनिक प्रक्रियाओं या स्थानीय परिस्थितियों के कारण मामले दर्ज हो जाते हैं।

साथियों,यदि इन मामलों में कोई गंभीर आपराधिक मंशा नहीं है और वे केवल सार्वजनिक गतिविधियों के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों से संबंधित हैं, तो उनकी पुनर्समीक्षा लोकतांत्रिक न्याय की भावना के अनुरूप मानी जा सकती है।हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें स्पष्ट सीमाएं और अपवाद निर्धारित किए गए हैं।महिलाओं के विरुद्ध अपराध, हत्या, गंभीर हिंसा, गंभीर मारपीट जैसे जघन्य अपराध तथा व्यक्तिगत या दीवानी विवादों से जुड़े मामलों को किसी प्रकार की राहत नहीं दी जाती। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि सामाजिक या राजनीतिक गतिविधियों की आड़ में गंभीर अपराधों को संरक्षण न मिले। इसी प्रकार जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों का अंतिम निपटारा न्यायालयों के निर्देशों के अनुसार किया जाता है। इससे यह संदेश जाता है कि कानून के शासन और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व के सिद्धांतों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

साथियों, महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित मंत्रिमंडलीय उपसमिति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखी जा सकती है। इस समिति का उद्देश्य उन मामलों की पहचान करना है जो मुख्यतः सामाजिक धार्मिक या राजनीतिक गतिविधियों के दौरान दर्ज हुए हैं और जिनमें गंभीर आपराधिक तत्व नहीं हैं। समिति के समक्ष आने वाले प्रत्येक आवेदन की गहन जांच की जाती है। इसके बाद जिन मामलों को वापस लेने योग्य माना जाता है, उन्हें पुलिस उपायुक्त की अध्यक्षता वाली क्षेत्रीय समितियों के पास भेजा जाता है, जहां आगे की प्रक्रिया पूरी की जाती है। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि केवल उचित मामलों को ही राहत मिले और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता बनी रहे।

साथियो, विश्व इतिहास इस बात का साक्षी है कि अधिकांश सामाजिक आंदोलनों,स्वतंत्रता संघर्षों और जनजागरण अभियानों के पीछे मानवीय भावनाओं की प्रबल भूमिका रही है।अन्याय के विरुद्ध क्रोध,समाज के प्रति मोह, परिवर्तन की इच्छा और नेतृत्व का आत्मविश्वास ही बड़े-बड़े आंदोलनों को जन्म देता है।यदि महात्मा गांधी को अंग्रेजी शासन की अन्यायपूर्ण नीतियों पर नैतिक आक्रोश न होता,यदि नेल्सन मंडेला कोरंगभेद के विरुद्ध संघर्ष की तीव्र भावना न होती,यदि मार्टिन लूथर किंग जूनियर को सामाजिक समानता के लिए गहरा समर्पण न होता, तो इतिहास की दिशा संभवतः अलग होती। इसका अर्थ यह है कि मानवीय भावनाओं को केवल विकार कहकर नकार देना उचित नहीं है; उन्हें सकारात्मक दिशा देना अधिक महत्वपूर्ण है।

साथियों, वास्तव में समाज कल्याण और लोकहित के लिए कार्य करने वाले लोगों को केवल इसलिए अपराधी की तरह देखना उचित नहीं हो सकता क्योंकि किसी आंदोलन या आयोजन के दौरान उन पर मामला दर्ज हो गया था। यदि उनके कार्यों का उद्देश्य समाज की भलाई, सांस्कृतिक संरक्षण, धार्मिक आयोजन या जनहित रहा हो और उन्होंने कोई गंभीर अपराध न किया हो, तो उन्हें सुधार और पुनर्विचार का अवसर मिलना चाहिए। यह दृष्टिकोण दंडात्मक न्याय के स्थान पर सुधारात्मक न्याय की अवधारणा को मजबूत करता है।आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज पंचविकारों को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने की बजाय उनके सकारात्मक रूपों को भी समझे। जब काम सेवा की आकांक्षा बनता है, क्रोध अन्याय के विरुद्ध संघर्ष बनता है, लोभ समाज के लिए संसाधन जुटाने की प्रेरणा बनता है, मोह संस्कृति और समाज के प्रति समर्पण बनता है तथा अहंकार आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में परिवर्तित होता है, तब यही भाव मानवता के विकास के साधन बन जाते हैं। इसी प्रकार लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में भी केवल कानून का कठोर अनुपालन ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि परिस्थितियों, उद्देश्यों और सामाजिक हितों को ध्यान में रखते हुए न्यायपूर्ण निर्णय लेना भी आवश्यक है।

साथियों, महाराष्ट्र सरकार की समिति द्वारा मामलों की समीक्षा और उपयुक्त मामलों को वापस लेने की सिफारिश इसी संतुलित दृष्टिकोण का उदाहरण है। यह पहल एक ओर कानून के शासन का सम्मान करती है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक कार्यकर्ताओं, धार्मिक आयोजकों और जनहित में कार्य करने वाले नागरिकों को अनावश्यक कानूनी बोझ से राहत देने का प्रयास भी करती है। यदि यह प्रक्रिया पारदर्शिता, निष्पक्षता और उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ती है, तो यह लोकतांत्रिक शासन, सामाजिक न्याय और जनसहभागिता के बीच संतुलन स्थापित करने का एक प्रभावी मॉडल बन सकती है। साथियों, भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक आंदोलनों की एक लंबी परंपरा रही है। विभिन्न समुदाय,संगठन और नागरिक समूह समय-समय पर अपनी मांगों,अधिकारों और सामाजिक उद्देश्यों के लिए आंदोलन करते रहे हैं। गणेशोत्सव नवरात्रोत्सव, दहीहंडी जैसे सांस्कृतिक आयोजनों से लेकर श्रमिक आंदोलनों,सामाजिक सुधार अभियानों और जनहित प्रदर्शनों तक,नागरिक सहभागिता लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। किंतु अनेक बार इन गतिविधियों के दौरान परिस्थितियां ऐसी बन जाती हैं कि प्रतिभागियों के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज हो जाते हैं। इनमें से कई मामले ऐसे होते हैं जिनमें हिंसा, गंभीर अपराध या व्यक्तिगत स्वार्थ का तत्व नहीं होता, बल्कि वे प्रशासनिक नियमों के उल्लंघन, प्रदर्शन या सामूहिक गतिविधियों के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों से जुड़े होते हैं।यहीं से न्याय और प्रशासन के बीच संतुलन का प्रश्न उत्पन्न होता है। क्या प्रत्येक ऐसा मामला, जो किसी सामाजिक या धार्मिक गतिविधि के दौरान दर्ज हुआ हो, जीवनभर व्यक्ति के साथ जुड़ा रहना चाहिए? क्या ऐसे मामलों के कारण सामाजिक कार्यकर्ताओं, धार्मिक आयोजकों या जनहित के लिए कार्य करने वाले व्यक्तियों का भविष्य प्रभावित होना चाहिए? लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में इन प्रश्नों का उत्तर केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय दृष्टिकोण से भी खोजा जाना आवश्यक है। इसी सोच के आधार पर महाराष्ट्र सरकार ने विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों के दौरान कार्यकर्ताओं पर दर्ज मामलों की समीक्षा और आवश्यक मामलों में उन्हें वापस लेने की प्रक्रिया सटीक रूप से प्रारंभ की है।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भी कई लोकतांत्रिक देशों में ऐसी व्यवस्थाएं देखने को मिलती हैं जहां शांतिपूर्ण आंदोलनों से जुड़े मामलों की समीक्षा की जाती है। अनेक देशों में यह माना जाता है कि लोकतंत्र में नागरिकों को अपनी बात रखने, विरोध दर्ज कराने और सामाजिक परिवर्तन के लिए संगठित होने का अधिकार है। यदि इस प्रक्रिया में ऐसे मामले दर्ज हो जाते हैं जिनमें कोई गंभीर आपराधिक तत्व नहीं है, तो समय-समय पर उनकी समीक्षा लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक मानी जाती है। महाराष्ट्र की पहल को इसी व्यापक वैश्विक संदर्भ में देखा जा सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे के यह कहा जा सकता है कि मनुष्य के भीतर मौजूद काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसी शक्तियां स्वयं में शत्रु नहीं हैं। उनका स्वरूप इस बात से निर्धारित होता है कि वे किस दिशा में प्रयुक्त हो रही हैं। जब ये भाव समाज, संस्कृति, राष्ट्र और मानवता की सेवा में समर्पित हो जाते हैं, तब वे विकार नहीं बल्कि परिवर्तन और निर्माण की ऊर्जा बन जाते हैं।

आंखें हुसैनी हो गई

शायर राजेन्द्र कुमार ने क्या खूब लिखा है... इस क़दर रोया मै सुन के दास्तान-ए-करबला, मै तो हिन्दू ही रहा, आंखें हुसैनी हो गई।.... ये हज़रत इमाम हुसैन ही हैं जिन्हें जितनी अकीदत के साथ मुसलमान मानते हैं उनका उतना ही एहतराम गैरमुस्लिम भी करते हैं। मोहर्रम पर जब भी इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत का ज़िक्र होता है तो उन हुसैनी ब्राम्हणों की भी याद ताज़ा हो जाती है जिन्होंने अपना सब कुछ हुसैन पर न्यौछावर कर दिया। सामाजिक सदभाव, आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल पूरी दुनिया में भारत में ही देखने को मिलती है। ऐसी ही एक मिसाल है हुसैनी ब्राह्मण। ये वो हिंदू समुदाय है, जो सनातन धर्म के सभी तीज त्यौहार मनाता है तो शिया मुसलमानों के साथ इमाम हुसैन के ग़म भी मनाता है।

मुस्ताअली बोहरा

हुसैनी ब्राह्मण, मोहयाल समुदाय के लोग हैं जो हिंदू और मुसलमान दोनों धर्मों से संबंध रखते हैं। बता दें, मोहयाल ब्राह्मणों में बाली, भीमवाल, छिब्बर, दत्त, लाउ, मोहन और वैद जैसी कई उपजातियाँ शामिल हैं। इनकी दत्त शाखा ने करबला में जंग लड़ी थी। इन मोहियाल ब्राह्मणों ने कर्बला की लड़ाई में हजरत इमाम हुसैन की तरफ से जंग लड़ी थी इसीलिए सम्मान के साथ इन्हें हुसैनी ब्राह्मण के नाम से जाना-पहचाना और पुकारा जाने लगा। ये भी माना जाता है कि हुसैनी ब्राह्मणों का संबंध महाभारत काल से है। महाभारत के भीषण युद्ध में गुरू द्रोणाचार्य ने भी भाग लिया था, जो दत्त गोत्र के ब्राह्मण थे। उनके पुत्र अश्वत्थामा युद्ध में घायल हो गए थे। महाभारत युद्ध में पांडवों के विजयी होने के बाद अश्वत्थामा इराक चले गए और ईराक में ही बस गए। उनके वंशज दत्त ब्राह्मण कहलाए। आगे चलकर दत्त ब्राह्मण ही मोहियाल ब्राह्मण कहलाए। इन्होंने अरब देशो में कई राज्यों को जीता और उन पर राज किया। इन्हीं में से एक थे राजा राहिब सिद्ध दत्त। इनका कार्यकाल पैगंबर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन के समय का है। कहा जाता है कि इमाम हुसैन की दुआ से ही उन्हें संतान का सुख प्राप्त हुआ था। हुसैनी ब्राह्मण समाज के लोग भारत के जम्मू-कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़, अमृतसर, पुणे सहित अन्य हिस्सों के अलावा पाकिस्तान के लाहौर, सिंध, अफगानिस्तान के काबुल में भी रहते हैं। अजमेर और बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में रहने वाले कुछ भूमिहर ब्राह्मण भी खुद को हुसैनी ब्राह्मण मानते हैं। यहां बता दें कि अमृतसर में लोहगढ़ में इमामबाड़ा है। इसकी देख रेख अंजुमन-ए-यादगार हुसैन द्वारा की जाती रही है। माना जाता है कि इमामबाड़ा सैयद नाथू शाह द्वारा बनाया गया है। भारत-पाकिस्तान बटवारे से पहले अमृतसर के शिया और हुसैनी ब्राह्मण परिवार इसकी संयुक्त रूप से देख रेख किया करते थे। बाद में अमृतसर से हुसैनी ब्राम्हण चले गए। लेकिन, अमृतसर के शिया हमेशा अपनी मजलिसों में राजा रहीब को याद करते रहे। इस समुदाय के लोग भी हजरत हुसैन की शहादत के गम में मातम और मजलिस करते हैं। हुसैनी ब्राह्मण समुदाय को लेकर एक प्रसिद्ध कहावत भी है वाह दत्त सुल्तान, हिंदू का धर्म, मुसलमान का ईमान। कई प्रसिद्ध हस्तियां इसी समुदाय से संबंध रखती हैं जैसे दिवंगत मशहूर अभिनेता सुनील दत्त हुसैनी ब्राह्मण परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके अलावा अभिनेत्री योगिता बाली, उर्दू लेखक कश्मीरी लाल जाकिर, साबिर दत्त और नंद किशोर विक्रम हुसैनी ब्राह्मण समुदाय से जुड़े नाम हैं। शास्त्रीय संगीत गायिका सुनीता झिंगरान जो हिंदू देवताओं की पूजा करती हैं और इमाम हुसैन को भी मानतीं हैं। अपनी ठुमरी, ख्याल, दादरा और गजल के लिए जानी जाने वाली प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीत गायिका सुनीता झिंगरान हुसैनी ब्राह्मण के रूप में अपने पूर्वजों की परंपराओं को निभा रही हैं। वो मजलिसों में शामिल होतीं हैं और मरसिये, नोहे पढ़तीं हैं। पद्मश्री से सम्मानित ब्रज नाथ दत्त कासिर, जो अमृतसर के एक प्रतिष्ठित व्यापारी और प्रसिद्ध उर्दू-फारसी शायर थे, इसी समुदाय से आते हैं। हुसैनी ब्राह्मण हिंदू होते हुए भी इमाम हुसैन में आस्था रखते हैं। इनके घरों में पूजा स्थल पर हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों के साथ-साथ अलम (जो कि हाथ के पंजे के जैसा होता है और इसे इमाम हुसैन या पंजतन का प्रतीक भी माना जाता है) भी रखा जाता है।

हुसैनी ब्राम्हणों के बारे में जो उल्लेख मिलता है वो दत्त परिवार से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि जब राहिब सिद्ध दत्त के कोई संतान नहीं हुई तो उन्होंने पैगंबरे इस्लाम से औलाद की ख्वाहिश की। नबी ए करीम ने अपने नवासे इमाम हुसैन से उनके लिए दुआ करने को कहा। इमाम हुसैन की दुआ के बाद राहिब जी के यहां 7 बेटे हुए और ये सभी इस कर्बला की जंग में शहीद हुए। तभी से इन्हें हुसैनी ब्राह्मण के नाम से जाना जाने लगा। कर्बला की जंग में हुसैन इब्ने अली (इमाम हुसैन) का साथ देने गए हुसैनी ब्राह्मण भी शहीद हो गए थे। ये वही थे जो हुसैन की दुआ के बाद जन्में थे। बताया जाता है कि करबला की जंग मे इमाम हुसैन के साथ उनके परिवार के 72 साथियों के अलावा दत्त परिवार के 7 बेटे भी शहीद हो गए थे। हुसैनी ब्राह्मण को दरदना भट्टाचार्य का वंशज भी माना जाता है। कर्बला में इमाम हुसैन की शहादत की खबर सुनकर हुसैनी ब्राह्मण भी इराक पहुंचे और बदला लेकर लौटे।

कर्बला में बादशाह यजीद की हुकूमत थी। यजीद बेहद ही जालिम, अय्याश और तानाशाह था। वो चाहता था कि नबी मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन उसकी बेअत कर लें। जब इमाम हुसैन से बेअत करने से इंकार कर दिया तो यजीद ने इमाम हुसैन को शहीद करने के लिए साजिश रची। 4 मई 680 ईसवी को इमाम हुसैन मदीने में अपना घर छोड़कर शहर मक्का पहुंचे। उनका हज करने का इरादा था लेकिन उन्हें पता चला कि दुश्मन हाजियों के भेष में आकर उनका कत्ल कर सकते हैं। हुसैन नहीं चाहते थे कि काबा जैसे पवित्र स्थान पर खून बहे, फिर इमाम हुसैन ने हज का इरादा बदल दिया और शहर कूफे की ओर चल दिए। दुश्मनों की फौज ने उन्हें कर्बला में रोक लिया। इमाम हुसैन और उनके परिवार को दरिया-ए-फरात के किनारे घेर लिया। पानी तक रोक दिया गया। ऐसी परिस्थिति में इमाम हुसैन ने अपने बचपन के दोस्त हबीब को खत लिखकर मदद के लिए बुलाया। दूसरा खत कर्बला से बहुत दूर भारत के एक हिंदू राजा और मोहयाल समाज के मुखिया राहिब सिद्ध दत्त के नाम भेजा जो उनका भाई जैसा दोस्त था। राहिब सिद्ध दत्त एक मोहयाल ब्राह्मण थे। इमाम हुसैन का खत मिलते ही राहिब दत्त मोहयाल ब्राह्मणों की सेना के साथ कर्बला के लिए निकल पड़े। लेकिन जब तक उनकी सेना वहां पहुंचती तब तक इमाम हुसैन को शहीद किया जा चुका था। रास्ते में जब राहिब दत्त को इस बात का पता चला तो उनका दिल टूट गया। इमाम हुसैन के गम में राहिब दत्त खुद अपनी जान देना चाहते थे लेकिन तब इमाम हुसैन के ही एक चाहने वाले जिसका नाम मुखतार था, ने उनको रोक लिया। इसके बाद मुख्तार और राहिब दोनों एक साथ मिलकर इमाम हुसैन के खून का बदला लेने के लिए निकल पड़े। कहते हैं कि उस समय यजीद की फौज इमाम हुसैन के सिर को लेकर कूफा में इब्ने जियाद के महल ला रही थी। राहिब दत्त ने यजीद के दस्ते का पीछा कर इमाम हुसैन का सिर हासिल कर लिया और दमिश्क की ओर निकल गए। रास्ते में एक पड़ाव पर रात बिताने के लिए रुके थे। वहां यजीद की फौज ने उन्हें घेर लिया। यजीद की फौज ने हुसैन के सिर की मांग की। राहिब दत्त ने इसे देने से इनकार कर दिया। इसके बाद भयानक जंग हुई जिसमें राहिब दत्त के सातों बेटे शहीद हो गए लेकिन राहिब दत्त ने बहादुरी से लड़ते हुए इमाम हुसैन के कातिलों से बदला लिया। कूफे के सूबेदार इब्ने जियाद के किले पर कब्जा कर उसे गिरा दिया। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि राहिब दत्त ने इमाम हुसैन का सिर लौटाने के बजाए अपने एक बेटे का सिर कलम कर उन्हें थमा दिया। यजीदी सैनिकों शक हुआ और उन्होंने फिर से सिर लौटाने की बात कही। तब एक-एक कर के राहिब दत्त ने अपने 7 बेटों को कुर्बान कर दिया। फिर भी जब यजीदी सैनिक नहीं माने तो राहिब दत्त उनसे भिड़ गए। उन्होंने मुख्तार के साथ मिलकर यजीदी सैनिकों से हुसैन की मौत का बदला लिया।

विश्व योग दिवस पर बिहान समूहों की दीदियों ने दिया स्वास्थ्य, पोषण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जिलेभर के 200 ग्राम संगठनों और अमृत सरोवरों में हुआ सामूहिक योगाभ्यास, वृक्षारोपण व जनजागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़ी स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने जिलेभर में स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम के आह्वान पर लगभग 200 ग्राम संगठनों, ग्राम पंचायतों, अमृत सरोवर स्थलों एवं सामुदायिक परिसरों में सामूहिक योगाभ्यास, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्राम पंचायत बरबसपुर, बड़कबहरा, हंसपुर, कछोड़ सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में बिहान समूहों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया महिलाओं ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया तथा ग्रामीणों को भी योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया अमृत सरोवरों पर भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए मनेंद्रगढ़ विकासखंड के शंकरगढ़ स्थित अमृत सरोवर में योगाभ्यास, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण एवं सरोवर संवाद कार्यक्रम में 35 लोगों ने भाग लिया वहीं ग्राम पंचायत सिरौली के नीम तालाब स्थित अमृत सरोवर में आयोजित कार्यक्रम में 47 ग्रामीणों ने सहभागिता कर जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं ने योग को स्वस्थ समाज की आधारशिला बताते हुए नियमित योगाभ्यास के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है बल्कि मानसिक संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा भी प्राप्त होती है। समूह की महिलाओं ने ग्रामीण समुदाय को पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए जामुन तेंदू तथा अन्य स्थानीय फलदार वृक्षों के औषधीय और पोषण महत्व की जानकारी दी विश्व योग दिवस के अवसर पर बिहान समूहों द्वारा तैयार पोषणयुक्त उत्पादों की प्रदर्शनी-सह-विपणन गतिविधियों का भी आयोजन किया गया मुनगा (सहजन) पाउडर, रागी आटा, रोस्टेड चना और भुनी कुल्थी दाल जैसे उत्पादों को लोगों ने सराहा। महिलाओं ने बताया कि इन उत्पादों से पोषण जागरूकता बढ़ने के साथ समूहों की आय में भी वृद्धि हो रही है जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। इस अवसर पर किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषक उन्नति योजना, किसान समृद्धि योजना सहित विभिन्न कृषि एवं ग्रामीण विकास योजनाओं की जानकारी भी दी गई अधिकारियों ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जिला प्रशासन ने बिहान समूहों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्व-सहायता समूहों की महिलाएं आज स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर ग्रामीण समाज का नेतृत्व कर रही हैं। विश्व योग दिवस पर चलाया गया यह अभियान महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है।

अनंतपुर में आंबेडकर प्रतिमा विवाद गहराया, दोनों पक्ष आमने-सामन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोलारस थाना क्षेत्र के अनंतपुर गांव में शासकीय भूमि पर डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित किए जाने को लेकर विवाद शनिवार को और गहरा गया प्रशासन द्वारा प्रतिमा को हटाकर शासकीय अभिरक्षा में लेने के बाद दोनों पक्षों की ओर से विरोध और मांगों का दौर जारी रहा जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रशासन ने बिना अनुमति शासकीय भूमि पर स्थापित की गई आंबेडकर प्रतिमा को हटाकर अपने कब्जे में ले लिया था। इस मामले में दिलीप और धर्मेंद्र नामक दो युवकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा गया था प्रशासन की इस कार्रवाई के विरोध में शनिवार को बहुजन समाज के लोग बड़ी संख्या में कोलारस थाने पहुंचे और दोनों युवकों की रिहाई तथा प्रतिमा को पुन: स्थापित करने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए दोपहर लगभग 2 बजे शुरू हुआ धरना शाम साढ़े 5 बजे तक जारी रहा बाद में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा समझाइश दिए जाने और एसडीएम अनूप श्रीवास्तव द्वारा दोनों युवकों को जमानत पर रिहा किए जाने के बाद धरना समाप्त हुआ। वहीं दूसरी ओर अनंतपुर एवं आसपास के गांवों के 200 से अधिक ग्रामीणों ने कोलारस एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने बिना प्रशासनिक अनुमति के शासकीय भूमि पर प्रतिमा स्थापित कर गांव का माहौल खराब करने का प्रयास किया है उन्होंने ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले भी 19 मई को इसी प्रकार की घटना सामने आई थी जिस पर प्रशासन ने कार्रवाई की थी उन्होंने बाहरी लोगों पर गांव में आकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और जातीय तनाव फैलाने का आरोप भी लगाया मामले पर एसडीएम अनूप श्रीवास्तव ने कहा कि जिस भूमि पर प्रतिमा स्थापित की गई थी वह शासकीय भूमि है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति 2026-27 के लिए ऑनलाइन पंजीयन शुरू

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल, आईटीआई, नर्सिंग, डाइट एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के विद्यार्थियों के लिए वर्ष 2026-27 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास), जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा जारी जानकारी के अनुसार विभागीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किए जाएंगे विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने के लिए आवेदन, परीक्षण, स्वीकृति और भुगतान की विस्तृत समय-सीमा भी निर्धारित की गई है विभाग के अनुसार नवीनीकरण श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 जून 2026 से प्रारंभ हो चुकी है जबकि नवीन आवेदनों के लिए पोर्टल 1 अगस्त 2026 से खुलेगा निर्धारित तिथियों तक प्राप्त आवेदनों के आधार पर छात्रवृत्ति राशि चरणबद्ध तरीके से सितम्बर 2026 से जनवरी 2027 तक सीधे विद्यार्थियों के खातों में वितरित की जाएगी छात्रवृत्ति प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने के लिए शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों को भी आवेदन परीक्षण एवं स्वीकृति की जिम्मेदारी तय समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं विभाग ने स्पष्ट किया है कि पात्र विद्यार्थियों को जनवरी 2027 तक छात्रवृत्ति राशि का संपूर्ण भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। योजना के तहत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के अभिभावकों की वार्षिक आय सीमा 2.50 लाख रुपये तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए 1 लाख रुपये निर्धारित की गई है आवेदन के लिए आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, पिछली परीक्षा का अंकपत्र, अध्ययनरत पाठ्यक्रम की जानकारी तथा संस्था द्वारा जारी बोनाफाइड प्रमाण पत्र आवश्यक होंगे विभाग ने बताया कि छात्रवृत्ति की राशि पीएफएमएस (पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम) के माध्यम से सीधे आधार सीडेड बैंक खातों में अंतरित की जाएगी इसके लिए विद्यार्थियों को आवेदन के समय बैंक खाते की सही जानकारी दर्ज करना अनिवार्य होगा वर्ष 2026-27 से सभी पात्र विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से ओटीआर (वन टाइम रजिस्ट्रेशन) प्राप्त करना भी अनिवार्य किया गया है। वहीं नवीन संस्थाओं के संस्था प्रमुख और छात्रवृत्ति प्रभारियों के लिए बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन की व्यवस्था भी लागू की गई है।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत जनकपुर आईटीआई में नि:शुल्क डीटीपी प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) जनकपुर में डेस्कटॉप पब्लिशिंग (डीटीपी) का नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है यह प्रशिक्षण 22 जून 2026 से शुरू होगा और इसकी अवधि लगभग चार माह निर्धारित की गई है योजना का उद्देश्य युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल से जोड़कर रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

संस्था द्वारा संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को कंप्यूटर आधारित डिजाइनिंग और प्रिंटिंग कार्यों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान फोटो एडिटिंग, शादी एवं निमंत्रण पत्र डिजाइन, पोस्टर निर्माण, बैनर डिजाइनिंग, फ्लेक्स एवं प्रिंट मीडिया से जुड़े कार्यों सहित अन्य कंप्यूटर आधारित प्रकाशन तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। वर्तमान समय में डिजिटल डिजाइनिंग और प्रिंटिंग क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए यह प्रशिक्षण युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा।

विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में संचालित होने वाले इस कोर्स में विद्यार्थियों को सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि वे प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद निजी संस्थानों, प्रिंटिंग प्रेस, डिजाइनिंग स्टूडियो तथा अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकें। साथ ही इच्छुक युवा स्वयं का डिजाइनिंग एवं प्रिंटिंग व्यवसाय शुरू कर स्वरोजगार की दिशा में भी आगे बढ़ सकते हैं मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत यह प्रशिक्षण पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा। छत्तीसगढ़ राज्य के इच्छुक युवक एवं युवतियां इसमें आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को आईटीआई जनकपुर में स्वयं उपस्थित होकर आवेदन जमा करना होगा। आवेदन पत्र के साथ 8वीं, 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो तथा जाति प्रमाण पत्र की प्रतियां जमा करनी होंगी। संस्था प्रबंधन ने बताया कि 22 जून 2026 से आवेदन स्वीकार किए जाएंगे इच्छुक अभ्यर्थियों से समय रहते आवेदन करने की अपील की गई है।

सेठानी घाट पर 400 लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को नर्मदापुरम के ऐतिहासिक सेठानी घाट पर जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों सहित लगभग 400 लोगों ने भाग लेकर योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश दिया सेठानी घाट पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक सांई कृष्णा एस. थोटा, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव एवं एडीएम अनिल जैन सहित अनेक अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे सभी ने प्रशिक्षकों के निर्देशन में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया इस अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि मानसिक शांति और स्वस्थ जीवन का आधार है उन्होंने नागरिकों से नियमित योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को योग के प्रति जागरूक करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। वहीं हर वर्ष प्रदेश की सबसे ऊंची चोटी धूपगढ़ पर आयोजित होने वाला योग दिवस कार्यक्रम इस बार मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण पचमढ़ी के सूर्य नमस्कार गार्डन में आयोजित किया गया प्रशासन ने बारिश की संभावना को देखते हुए आयोजन स्थल में बदलाव किया पचमढ़ी में आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम आकिब खान, साडा सीईओ, कैंट सीईओ, तहसीलदार वैभव बैरागी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पर्यटक, शिक्षक और छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इधर, वर्धमान पब्लिक स्कूल में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट एवं पतंजलि योग समिति के सहयोग से विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया मुख्य अतिथि एवं योग प्रशिक्षक एमएल गौर, केके सोनी और रमेश कुमार जगदेव ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया प्रशिक्षकों ने योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए नियमित योगाभ्यास के महत्व को बताया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिलेभर में आयोजित कार्यक्रमों ने यह संदेश दिया कि योग स्वस्थ शरीर, शांत मन और सकारात्मक जीवन का आधार है बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने योग के प्रति बढ़ती जागरूकता और उत्साह को भी दर्शाया।

नीट (यूजी) 2026 जिले में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न

तीन परीक्षा केंद्रों में 724 अभ्यर्थी हुए शामिल, 89 प्रतिशत रही उपस्थिति; प्रशासन की मुस्तैदी से सफलतापूर्वक संपन्न हुई परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 रविवार को जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश के लिए आयोजित इस महत्वपूर्ण परीक्षा के लिए जिले में तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, निगरानी, यातायात प्रबंधन तथा परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे प्रशासनिक सतर्कता और विभिन्न विभागों के बेहतर समन्वय के चलते परीक्षा बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुई जिले में परीक्षा के लिए कुल 811 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 724 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया जबकि 87 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे इस प्रकार जिले में कुल उपस्थिति लगभग 89 प्रतिशत दर्ज की गई परीक्षा में अभ्यर्थियों की बड़ी भागीदारी ने उनके उत्साह और चिकित्सा शिक्षा के प्रति गंभीरता को दर्शाया। परीक्षा केंद्रवार आंकड़ों के अनुसार केंद्र क्रमांक 1719101 स्थित केंद्रीय विद्यालय, झारखंड में पंजीकृत 355 अभ्यर्थियों में से 320 उपस्थित रहे तथा 35 अनुपस्थित रहे केंद्र क्रमांक 1719102 स्थित केंद्रीय विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ में 312 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 283 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 29 अनुपस्थित रहे वहीं केंद्र क्रमांक 1719103 स्थित विवेकानंद पीजी कॉलेज, मनेन्द्रगढ़ में पंजीकृत 144 अभ्यर्थियों में से 121 अभ्यर्थी उपस्थित हुए और 23 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे परीक्षा के दौरान राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया गया परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की पहचान सत्यापन, सुरक्षा जांच और दस्तावेजों का परीक्षण निर्धारित मानकों के अनुसार किया गया किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए सभी केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी तंत्र को प्रभावी ढंग से लागू किया गया था जिला प्रशासन ने परीक्षा के सफल संचालन के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई थी। परीक्षा केंद्रों का लगातार निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी की गई परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए पेयजल, छायादार प्रतीक्षा स्थल और आवश्यक मार्गदर्शन की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई थी वहीं परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों एवं परिजनों के लिए भी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गईं जिससे पूरे समय व्यवस्था सुचारू बनी रही।

शिवपुरी में हजारों लोगों ने किया सामूहिक योग

धार महादेव मंदिर में मंत्री ने योग के साथ जनचौपाल लगाकर सुनी समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया इस अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित तात्या टोपे खेल परिसर (पोलो ग्राउंड) और खोड़ के धार महादेव मंदिर प्रांगण सहित विभिन्न स्थानों पर सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए गए हजारों लोगों ने इन आयोजनों में भाग लिया। जिला मुख्यालय पर तात्या टोपे खेल परिसर (पोलो ग्राउंड) में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रहलाद भारती और एडीएम दिनेश चंद्र शुक्ला सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी और आम नागरिक उपस्थित रहे योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया और योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया खोड स्थित धार महादेव मंदिर प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए उनके साथ विधायक देवेंद्र जैन और भाजपा जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव ने भी योगाभ्यास किया इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने जन चौपाल लगाकर आमजन की समस्याओं को भी सुना।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से योग बना वैश्विक जनआंदोलन : देवेन्द्र प्रताप सिंह

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 550 से अधिक लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास, नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को स्वामी आत्मानंद विद्यालय क्रीड़ा परिसर में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में योग, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरण का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में 550 से अधिक लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन और सशक्त राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग आज वैश्विक जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है और इसका सबसे बड़ा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में रखे गए प्रस्ताव का रिकॉर्ड 177 देशों ने समर्थन किया था जिसके परिणामस्वरूप आज विश्व के 150 से अधिक देशों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है यह भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और योग की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रतीक है उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने वाली जीवनशैली है विद्यार्थियों के लिए यह स्मरण शक्ति बढ़ाने में सहायक है वहीं आमजन के लिए तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन का आधार बनता है उन्होंने नागरिकों से प्रतिदिन योग करने और अपने परिवार को भी इससे जोड़ने की अपील की समारोह में मास्टर ट्रेनर विश्वजीत पटेल एवं प्रशिक्षक विवेक तिवारी के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, मत्स्यासन, कटिचक्रासन, अर्धकटिचक्रासन और उत्तानपादासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया साथ ही कपालभाति एवं भ्रामरी प्राणायाम का भी सामूहिक अभ्यास कराया गया। पूरे परिसर में अनुशासन, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण दिखाई दिया। योगाभ्यास के उपरांत राज्यसभा सांसद सिंह ने उपस्थित लोगों को नशा मुक्त भारत की शपथ दिलाई उन्होंने कहा कि नशा युवाओं और समाज के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है तथा योग इसके प्रभावी समाधान का माध्यम बन सकता है इस दौरान लोगों ने नशामुक्त जीवन अपनाने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया राज्यसभा सांसद ने आंवला का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण एवं मातृ सम्मान का संदेश दिया इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी पौधारोपण कर अभियान को आगे बढ़ाया। योग दिवस के अवसर पर आयुष विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा लगाए गए स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे स्वास्थ्य विभाग ने रक्तचाप एवं शुगर जांच के साथ नि:शुल्क परामर्श और दवा वितरण किया, जबकि आयुष विभाग ने योग एवं आयुर्वेद आधारित जीवनशैली की जानकारी प्रदान की वहीं एनआरएलएम की लखपति दीदियों द्वारा निर्मित हसदेव ब्रांड के उत्पादों की प्रदर्शनी ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ, 650 कैडेट्स ले रहे सैन्य एवं नेतृत्व प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। 14 एमपी एनसीसी बटालियन विदिशा द्वारा एसएटीआई (SATI) एवं एटीआई डिग्री कॉलेज परिसर में 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 19 जून से 28 जून 2026 तक किया जा रहा है। शिविर का संचालन कैंप कमान अधिकारी कर्नल अंशुभान सिंह के नेतृत्व एवं प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सैनी वैद्य की देखरेख में किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ कर्नल अंशुभान सिंह के प्रेरणादायी उद्घाटन संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने उपस्थित एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए एनसीसी के मूल मंत्र 'एकता और अनुशासन' के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कैडेट्स को जीवन में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं उनके विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया। इस संयुक्त

वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में विदिशा एवं रायसेन जिले सहित भोपाल ग्रुप के लगभग 650 एनसीसी कैडेट्स भाग ले रहे हैं। शिविर के दौरान कैडेट्स को ड्रिल, मैप रीडिंग, योग, नेतृत्व विकास, हथियार प्रशिक्षण, फायरिंग, आपदा प्रबंधन तथा व्यक्तित्व विकास जैसे विभिन्न विषयों का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। विशेष रूप से शिविर में थल सैनिक कैंप (TSC) के लिए चयनित भोपाल ग्रुप के लगभग 150 कैडेट्स भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह प्रशिक्षण उन्हें आगामी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं एवं दिल्ली में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित शिविरों तक पहुंचने का अवसर प्रदान करेगा। पर्यावरण संरक्षण को भी शिविर की प्रमुख गतिविधियों में शामिल किया गया है। कैडेट्स को पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्हें अनावश्यक वस्तुओं की खरीद से बचने, संसाधनों की खपत कम करने तथा प्लास्टिक कचरे को एकत्रित कर उसके वैज्ञानिक एवं उचित निष्पादन की जानकारी दी जा रही है। इन गतिविधियों का उद्देश्य युवाओं में पर्यावरणीय जिम्मेदारी एवं सतत विकास की भावना विकसित करना है। शिविर के दौरान सूबेदार मेजर हृदय रंजन सहित समस्त पीआई स्टाफ एवं एनसीसी अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का संचालन किया। इस अवसर पर कैप्टन रामानंद मिश्रा, लेफ्टिनेंट विनीता प्रजापति, लेफ्टिनेंट मुकेश आजाद, लेफ्टिनेंट राजकमल प्रजापति, चीफ ऑफिसर लखनलाल कुशवाह, सेकंड ऑफिसर रश्मि पाठक, सेकंड ऑफिसर अनिल सोनी, सेकंड ऑफिसर शंकर बहादुर तथा सेकंड ऑफिसर निहाल सिंह रघुवंशी सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

गर्लफ्रेंड से शादी से पहले बॉयफ्रेंड, मां-मामा की मौत युवती को भगाकर ले जा रहे थे

मीडिया ऑडीटर,दमोह (निप्र)। दमोह-जबलपुर हाईवे पर शुक्रवार शाम बस और कार की टक्कर हो गई। हादसे में बॉयफ्रेंड, उसकी मां और मामा की मौत हो गई, जबकि गर्लफ्रेंड और ड्राइवर घायल हैं। युवक का परिवार युवती को कटनी से भगाकर सागर ले जा था, लेकिन रास्ते में हादसे का शिकार हो गए। हादसा जबेरा के पुरेनहाऊ गांव के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान अखिलेश प्रजापति, उसकी मां सोना प्रजापति और मामा नत्थू प्रजापति के रूप में की गई है, जबकि रीना साहू और कार ड्राइवर राशिद खान गंभीर रूप से घायल हो गए। युवक का परिवार सागर जिले के शाहगढ़ क्षेत्र का रहने वाला था।

सोशल मीडिया से हुई थी दोस्ती: पुलिस जांच में सामने आया कि कटनी निवासी 20 वर्षीय रीना साहू और सागर जिले के शाहगढ़ निवासी अखिलेश प्रजापति के बीच सोशल मीडिया के जरिए परिचय हुआ था। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी। यह रिश्ता प्रेम प्रसंग में बदल गया। दोनों ने साथ जीवन बिताने का फैसला किया।

लड़की को लेने कटनी पहुंचा था युवक: पुलिस के अनुसार अखिलेश प्रजापति अपनी मां सोना प्रजापति और मामा नत्थू प्रजापति के साथ किराए की कार से कटनी पहुंचा था। योजना थी कि रीना को साथ लेकर वापस लौटेंगे और शादी करेंगे। रीना उनके साथ कार में बैठ गई। कार में शादी की एक चुनरी भी रखी हुई थी। दोनों शादी के इरादे से निकले थे। जल्दबाजी और घबराहट हादसे की वजह बनी लड़की को साथ लेकर लौटते समय कार काफी तेज रफ्तार से चल रही थी। पुलिस का मानना है कि पकड़े जाने का डर या जल्दी पहुंचने की हड़बड़ी के कारण ड्राइवर ने रफ्तार कम नहीं की। दमोह-जबलपुर हाईवे पर जबेरा थाना क्षेत्र के पुरेनहाऊ गांव के पास सामने से आ रही एक बस से कार की सीधी भिड़ंत हो गई।

कुछ ही सेकेंड में उजड़ गई तीन जिंदगियां: टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में बैठे अखिलेश प्रजापति, उसकी मां सोना प्रजापति और मामा नत्थू प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में रीना साहू और कार चालक राशिद खान गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया।

घायल युवती नहीं बता पा रही थी मृतकों के नाम: हादसे के बाद पुलिस ने घायल रीना साहू से मृतकों की पहचान और उनके बारे में जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन गंभीर रूप से घायल होने के कारण वह ठीक से कुछ बता नहीं पा रही थी। शुरुआत में लोगों को लगा कि हादसे में जान गंवाने वाले लोग युवती के परिवार के सदस्य हैं। लेकिन जब पुलिस ने मृतकों की पहचान की तो पता चला कि वे प्रजापति समाज से हैं, जबकि युवती साहू समाज से है। यहीं से पुलिस को लगा कि मामला सामान्य सड़क हादसे से कहीं अधिक है। देर रात खुला पूरी कहानी का राज पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया और लड़की के परिजनों से संपर्क किया। देर रात जब रीना के परिजन जबेरा पहुंचे तो पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। परिजन और पुलिस जांच से पता चला कि रीना अपनी मर्जी से घर से निकली थी और अखिलेश के साथ शादी करने जा रही थी।

सांची स्तूप परिसर में हजारों लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास बुद्ध की तपोभूमि से गूंजा स्वस्थ जीवन का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन के सांची स्थित विश्व पर्यटन स्थल सांची स्तूप परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में भगवान बुद्ध की तपोभूमि से स्वस्थ जीवन का संदेश गूंजा। ऐतिहासिक सांची स्तूप के शांत वातावरण में हजारों लोगों ने एक साथ योगाभ्यास कर योग को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सुबह आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी, जिला शिक्षा अधिकारी डी.डी. रजक, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। प्रशिक्षकों के निर्देशन में सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम किए। सांची स्तूप की ऐतिहासिक वादियों में सामूहिक योगाभ्यास का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

योग प्राचीन भारतीय पद्धति: योगाभ्यास के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए। नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है, अनेक बीमारियों से बचाव होता है और इलाज तथा दवाइयों पर होने वाला खर्च भी कम होता है। उन्होंने कहा कि यदि लोग योग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बना लें तो वे लंबे समय तक स्वस्थ और सक्रिय रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने की एक प्राचीन भारतीय पद्धति है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को केवल एक दिन का आयोजन न मानते हुए पूरे वर्ष नियमित रूप से योग करना चाहिए, ताकि समाज स्वस्थ और निरोगी बन सके। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने भी योग को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का प्रभावी माध्यम है। सांची स्तूप परिसर में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने योग के प्रति बढ़ती जागरूकता और उत्साह को भी प्रदर्शित किया।

प्रेम-प्रसंग में बैंक के बाहर युवक की चाकू मारकर हत्या: पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में शनिवार को प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया। बैंक के बाहर 28 वर्षीय बबलू मालवीय की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बबलू की पत्नी सहित तीन आरोपियों को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। वहीं आरोपियों को थाने लाए जाने पर मृतक के परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने थाना परिसर में ही आरोपियों के साथ मारपीट करने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, बबलू मालवीय निवासी थूना कला की पत्नी विद्या मालवीय करीब पांच-छह दिन पहले बारवाखेड़ी निवासी प्रताप के साथ चली गई थी। बबलू अपनी कमाई के पैसे पत्नी के बैंक खाते में जमा करता था। शनिवार को उसे जानकारी मिली कि विद्या बैंक में उसके खाते से पैसे निकालने पहुंची है। इसके बाद वह अपने मामा गुलाब मालवीय के साथ बैंक पहुंचा।

सात फेरे और सिंदूर के बाद प्रेमी संग दुल्हन फरार रायसेन में विदाई से पहले 15 लाख के गहने-नकदी लेकर गई

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। शादी का मंडप सजा था, बारात धूमधाम से पहुंची, वरमाला हुई, सात फेरे पड़े और दूल्हे ने पूरे रीति-रिवाज से दुल्हन की मांग में सिंदूर भी भर दिया। दोनों परिवार नई जिंदगी की शुरुआत की खुशियां मना रहे थे। लेकिन विदाई से पहले ही कहानी ने ऐसा मोड़ लिया कि पूरी शादी क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई। रायसेन के बेगमगंज में आयोजित इस शादी में दुल्हन विदिशा जिले के पठारी क्षेत्र की रहने वाली थी, जबकि दूल्हा बेगमगंज का रहने वाला है। शुक्रवार रात अर्चना मैरिज गार्डन में विवाह समारोह हुआ। सभी वैवाहिक रस्में पूरी होने के बाद जब लोग विदाई की तैयारी में जुटे थे,

तभी नवविवाहिता अचानक गायब हो गई। परिजनों को तलाश करने पर पता चला कि दुल्हन अपने कथित प्रेमी के साथ चली गई है। बताया जा रहा है कि वह अपने साथ शादी में चढ़ाए गए करीब 15 लाख रुपए के गहने और नकदी भी ले गई थी। जानकारी मिलते ही वर पक्ष में हड़कंप मच गया और रिश्तेदारों ने उसकी तलाश शुरू कर दी।

राहतगढ़ तिगड्डे पर मिली दुल्हन: काफी खोजबीन के बाद दुल्हन और उसका प्रेमी राहतगढ़ तिगड्डे के पास मिल गए। दोनों को पकड़कर बेगमगंज थाने लाया गया। घटना की जानकारी लगते ही दोनों पक्षों के परिजन भी थाने पहुंच गए। सूत्रों के अनुसार, शुरुआत में दुल्हन गहने और अन्य सामान लौटाने को तैयार नहीं थी। बाद में दोनों पक्षों के बीच लंबी बातचीत और समझाइश के बाद समझौता हो गया। दुल्हन ने वर पक्ष द्वारा दिए गए गहने, कपड़े और नकदी वापस कर दी। स्टांप पर लिखकर खत्म किया रिश्त थाने में आपसी सहमति से स्टांप पर लिखित समझौता किया गया, जिसमें दोनों पक्षों ने वैवाहिक संबंध समाप्त करने पर सहमति जताई।

नेपानगर में 45 मिनट की बारिश से गर्मी से राहत तेज हवाओं ने बढ़ाई किसानों की चिंता

मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के नेपानगर क्षेत्र में रविवार दोपहर अचानक मौसम बदल गया। तेज बारिश के साथ तेज हवाएं भी चलीं, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। हालांकि, किसानों को तेज हवाओं से केला फसल को नुकसान पहुंचने का डर सता रहा है। नेपानगर और निंबोला क्षेत्र में दोपहर 1 बजे से पौने दो बजे तक लगभग 45 मिनट तक बारिश हुई। बारिश से पहले अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। बारिश से जहां किसान खुश हैं, वहीं तेज हवाओं ने उनकी चिंता बढ़ा दी है। तेज हवाएं चलने से केला फसल को भारी नुकसान होने की आशंका है। पिछले महीने भी जिले में तीन बार ऐसी ही स्थिति बनी थी, जिससे करीब 150 से अधिक गांवों में करोड़ों रुपए की केला फसल खराब हो गई थी।

अधिकतम तापमान 37 दर्ज: पिछले कुछ दिनों से जिले में तापमान लगातार अधिक बना हुआ था। रविवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस था, जबकि गुरुवार को यह 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

जनकल्याण शिविर बना ग्रामीणों के लिए वरदान

करारिया लश्करपुर में पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में बड़ी पहल, हैंडपंप हेतु बोरिंग कार्य प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। शासन की जनहितकारी योजनाओं और त्वरित समस्या समाधान की मंशा को साकार करते हुए जनपद पंचायत विदिशा द्वारा आयोजित जनकल्याण शिविर ग्रामीणों के लिए राहत का माध्यम बनते जा रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत करारिया लश्करपुर के ग्रामीणों द्वारा शिविर में पेयजल संकट की समस्या उठाई गई थी। ग्रामीणों ने गांव में हैंडपंप स्थापना की मांग करते हुए स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने तत्परता दिखाई। संबंधित अधिकारियों ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर मांग का परीक्षण कराया और

आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए हैंडपंप स्वीकृत किया। इसके बाद स्थल पर हैंडपंप स्थापना के लिए बोरिंग कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। हैंडपंप स्थापित होने के बाद गांव के लोगों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा सुलभ होगी। विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को पानी के लिए दूर-दराज तक नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उनके समय और श्रम की बचत होगी। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए जनकल्याण शिविर की सराहना की है। जनकल्याण शिविरों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिक अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रख पा रहे हैं। प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे आमजन को तत्काल राहत मिल रही है। यही कारण है कि प्रतिदिन आयोजित हो रहे ये शिविर शासन और जनता के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहे हैं। यह पहल दर्शाती है कि प्रशासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही से जनसमस्याओं का प्रभावी समाधान संभव है। करारिया लश्करपुर में हैंडपंप स्थापना का कार्य जनकल्याण शिविरों की सफलता का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया है।

सांची जल प्रदाय योजना के निर्माणाधीन जल शोधन संयंत्र का एडीबी दल ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी की परियोजना क्रियान्वयन इकाई, भोपाल अंतर्गत सांची जल प्रदाय योजना के तहत निर्माणाधीन जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण आज एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के प्रतिनिधिमंडल द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान एडीबी दल ने जल शोधन संयंत्र के विभिन्न निर्माणाधीन घटकों का अवलोकन करते हुए परियोजना की प्रगति, निर्माण गुणवत्ता तथा कार्यों की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। दल ने परियोजना के निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक सुझाव भी दिए।इस

अवसर पर परियोजना अधिकारी श्री सुबोध जैन, सहायक परियोजना प्रबंधक श्री राहुल समाधिया, सीडीओ श्री गिरीश नायर, डॉ. अमित कुल्हार, परियोजना प्रबंधन सलाहकार फर्म के श्री दीपक हतवाले सहित संविदाकार के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। एडीबी के प्रतिनिधिमंडल द्वारा जल शोधन संयंत्र परिसर में पौधरोपण भी किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। उल्लेखनीय है कि एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा पर्यटन नगरी सांची में जल प्रदाय परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

10 पिस्टल और मैगजीन के साथ युवक गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)। पुलिस को बड़वानी जिले के उमर्टी से अवैध पिस्टल लाने की सूचना पर जिले के भगवानपुरा थाना क्षेत्र के पिपल्या बावड़ी में रोड पर शुक्रवार को खड़े होकर बस का इंतजार कर रहे युवक से पूछताछ कर तलाशी ली। पुलिस को जांच में युवक से 10 अवैध देसी पिस्टल के साथ ही 7 अतिरिक्त मैगजीन मिली जिन्हें जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और न्यायालय में पेश करने पर दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। वहीं, पूछताछ में एक व्यक्ति का नाम सामने आया है जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है। भगवानपुरा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पिपल्या बावड़ी पर बस का इंतजार कर रहे नवलपुरा निवासी गुरुबचनसिंह सिकलीगर (21) की तलाशी ली। इस दौरान उसके पास से 10 अवैध देसी पिस्टल और 7 अतिरिक्त मैगजीन बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने कोई वैध लाइसेंस होना नहीं बताया जिसके बाद उसे बीएनएस की धारा 25 (1) आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे 2 दिन के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जांच में अभी एक आरोपी का नाम सामने आया है जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस आरोपी के बैंक खाते भी खंगाल रही है।

यूएसए ब्रांड बनाकर खपा रहे हैं अवैध हथियार महाराष्ट्र के बॉर्डर पर बसे बड़वानी जिले के उमर्टी गांव के सिकलीगर समुदाय ने अवैध हथियार बनाने के अपने धंधे को ब्रांड बनाकर उसे अवैध हथियारों पर लिख रहे हैं। उमर्टी सिकलीगर आर्म्स को यूएसए ब्रांड नेम बना दिया है। जब्त हथियारों की जांच की तो उन पर पर यूएसए लिखा मिला। उमर्टी के सिकलीगर समुदाय के लिए किसी भी विदेशी हथियार की हूबहू कॉपी बनाकर ले लेते हैं।

सेठानी घाट पर 400 लोगों ने किया योगाभ्यास

'बारिश के अलर्ट के कारण धूपगढ़ की जगह पचमढ़ी में हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नर्मदापुरम के प्राचीन सेठानी घाट पर जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन में सांसद, कलेक्टर और एसपी सहित करीब 400 लोगों ने एक साथ योगासन किए। वहीं, बारिश की संभावनाओं को देखते हुए इस साल प्रदेश की सबसे ऊंची चोटी धूपगढ़ के बजाय पचमढ़ी के सूर्य नमस्कार गार्डन में योग कार्यक्रम संपन्न हुआ। सेठानी घाट पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी साई कृष्णा एस थोटा, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव और एडीएम अनिल जैन शामिल हुए। इनके साथ बड़ी संख्या में शासकीय अधिकारी, कर्मचारी, भाजपा पदाधिकारी और छात्र-छात्राओं ने भी योगाभ्यास किया। इस सामूहिक आयोजन के जरिए आमजन को योग के प्रति जागरूक रहने और इसे दिनचर्या

का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया।

कलेक्टर बोले- योग शरीर को स्वस्थ रखता है: कार्यक्रम के दौरान सभी को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के महत्व के बारे में बताया गया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आमजन को संदेश देते हुए कहा, 'योग हमारे शरीर को पूरी तरह से स्वस्थ रखता है और यह हमें मानसिक शांति भी प्रदान करता है।' बारिश की आशंका से बदला पचमढ़ी का आयोजन स्थल हर साल योग दिवस पर मध्य प्रदेश की सबसे ऊंची चोटी धूपगढ़ में योगाभ्यास किया जाता था, लेकिन इस बार मौसम ने आयोजन स्थल बदलवा दिया। बारिश की प्रबल संभावनाओं के चलते प्रशासन ने एहतियात के तौर पर धूपगढ़ के स्थान पर पचमढ़ी के सूर्य नमस्कार गार्डन में योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया। एसडीएम आकिब खान, साडा सीईओ, कैंट सीईओ, तहसीलदार वैभव बैरागी, संदीपनी स्कूल, राजा भभूतसिंह महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र, छात्राएं तथा बड़ी संख्या में पचमढ़ी के नागरिक व पर्यटक उपस्थित रहे।

प्रशिक्षकों द्वारा कराया योगाभ्यास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वर्धमान पब्लिक स्कूल में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट एवं पतंजलि योग समिति, जिला नर्मदापुरम के सहयोग से विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एवं योग प्रशिक्षक एमएल गौर (जिला अध्यक्ष, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट एवं पतंजलि योग समिति, जिला नर्मदापुरम) के साथ केके सोनी एवं रमेश कुमार जगदेव ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया तथा योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन एकाग्र तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक योग क्रियाओं में भाग लिया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा, 11 बॉल में अर्धशतक

50 ओवर क्रिकेट में फास्टेस्ट फिफ्टी

ट्राईसीरीज फाइनल में 29 बॉल पर 94 रन बनाए

दांबुला ,एजेसीं। वैभव सूर्यवंशी ने 50 ओवर की क्रिकेट में सबसे तेज हाफ सेंचुरी बनाने का 20 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वैभव ने श्रीलंका-ए के खिलाफ अभी चल रहे ट्राई सीरीज के फाइनल में 29 बॉल पर 94 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों पर हाफ सेंचुरी पूरी कर ली।

वैभव की इस पारी की बदौलत इंडिया-ए ने श्रीलंका-ए के खिलाफ फाइनल मुकाबले में 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 377 रन बनाए। अनुकूल रॉय ने 15 गेंदों पर 39 रन बनाए। कप्तान तिलक वर्मा ने 67, प्रियांश आर्या ने 39 और कुमार कुशाग्र ने 36 रन बनाए।

जवाब में श्रीलंका ने 14 ओवर के बाद 3 विकेट के नुकसान पर 105 रन बनाए हैं। सदीरा समरविक्रमा और सहान अराच्चिगे क्रीज पर हैं।

वैभव ने श्रीलंका के कौशल्य वीराल्ने का रिकॉर्ड तोड़ा

वैभव से पहले 50 ओवर की क्रिकेट में फास्टेस्ट हाफ सेंचुरी श्रीलंका के कौशल्य वीराल्ने ने बनाई थी। उन्होंने 2006 में रागामा क्रिकेट कल्ब की ओर से खेलते हुए 12 बॉल पर फिफ्टी पूरी की थी। सीनियर लेवल पर 50 ओवर की क्रिकेट में दो तरह के मैच होते हैं। लिस्ट-ए और वनडे इंटरनेशनल। हर वनडे इंटरनेशनल अपने आप में एक लिस्ट-ए मैच भी होता है।

वनडे इंटरनेशनल में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड एबी डिविलियर्स और मैथ्यू फोर्ड के नाम है। दोनों बल्लेबाजों ने 16-16 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था। साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स ने 18 जनवरी 2015 को जोहानसबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह कारनामा किया था। इसके बाद उन्होंने 44 गेंदों में 149 रन बनाए थे। वहीं, 23 मई 2025 को डबलिन में वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड ने आयरलैंड के खिलाफ फिफ्टी लगाकर डिविलियर्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

प्लेइंग-XI

भारत-एः वैभव सूर्यवंशी, प्रियांश आर्या, ऋतुराज गायकवाड, तिलक वर्मा (कप्तान), कुमार कुशाग्र, सूर्यांश शेडगे, अनुकुल रॉय, निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अशोक शर्मा, यश ठाकुर।

श्रीलंका-एः निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), अविष्का फर्नांडो, रविंदु फर्नांडो, सदीरा समरविक्रमा, सहान अराच्चिगे (कप्तान), नुवानिदु फर्नांडो, वनुजा सहान, मोहम्मद शिराज, दुलाज समुधिता, विजयकांत वियासकांत, कुगाथस माथुलन।

समरविक्रमा को मिला जीवनदान

श्रीलंका-ए के बल्लेबाज सदीरा समरविक्रमा को 12वें ओवर में जीवनदान मिला। सूर्यांश शेडगे की बैक ऑफ लेंथ गेंद पर उन्होंने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले पर सही तरह नहीं आई और मिडविकेट की ओर हवा में चली गई।

श्रीलंका का तीसरा विकेट गिरा, तीनों विकेट यश ठाकुर ने लिए

10वें ओवर की तीसरी गेंद पर श्रीलंका को तीसरा झटका लगा। तेज गेंदबाज यश ठाकुर ने अपना तीसरा विकेट हासिल करते हुए नुवानिदु फर्नांडो को पवेलियन भेजा। फर्नांडो 21 गेंदों में 21 रन बनाकर विप्रज निगम के हाथों कैच आउट हुए। अपनी पारी में उन्होंने 1 चौका और 2 छक्के लगाए। यश ठाकुर ने डिकवेला को बोल्ड किया यश ठाकुर ने फाइनल में शानदार गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका-ए के दोनों ओपनर्स को पवेलियन भेज दिया। चौथे ओवर की पहली गेंद पर उन्होंने निरोशन डिकवेला को बोल्ड कर भारत-ए को दूसरी सफलता दिलाई। डिकवेला ने 17 गेंदों में 25 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 1 छक्का शामिल था। अशोक शर्मा के पहले ओवर में डिकवेला ने लगाए दो चौके अशोक शर्मा के ओवर की तीसरी गेंद पर डिकवेला ने मिडविकेट के ऊपर से चौका लगाया, जबकि आखिरी गेंद को डीप बैकवर्ड पॉइंट की दिशा में भेजकर एक और चौका बटोरा।

इरा एरी भारतीय मूल की ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर, बनीं सोशल मीडिया की नई सनसनी

नई दिल्ली ,एजेसीं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के बीच भारतीय मूल की ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर इरा एरी को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। हालांकि, यह चर्चा उनके क्रिकेटिंग कौशल से अधिक उनकी असाधारण खूबसूरती और करिश्माई व्यक्तित्व को लेकर है। इरा एरी ने ऑस्ट्रेलिया के जूनियर क्रिकेट सर्किट में पहले ही अपनी दमदार छाप छोड़ी है और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें जल्द ही ऑस्ट्रेलियाई महिला सीनियर टीम में खेलने का मौका मिल सकता है। जबकि ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में खिताब की प्रबल दावेदारों में से एक है और उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी दमदार शुरुआत भी की है, इसी बीच ऑस्ट्रेलिया की एक युवा जूनियर क्रिकेटर अचानक सोशल मीडिया पर धूम मचाने लगी हैं। इस महिला क्रिकेटर का नाम है इरा एरी, जो अपनी सुंदरता और खेल दोनों के लिए सुर्खियां बटोर रही हैं। इरा एरी भारतीय मूल की ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं, और उनकी उपस्थिति ने युवा महिला क्रिकेटरों के प्रति प्रशंसकों की रुचि को और बढ़ा दिया है। 17 साल की इरा को अभी तक ऑस्ट्रेलिया की महिला सीनियर टीम में डेब्यू का मौका नहीं मिला है, लेकिन उनकी प्रतिभा और प्रदर्शन को देखते हुए इसकी जल्द ही उम्मीद की जा रही है। वह ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट भविष्य का एक उज्ज्वल सितारा मानी जा रही हैं।बता दें कि इरा इन दिनों अपने खेल से ज्यादा अपनी खूबसूरती को लेकर चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। सोशल मीडिया पर इरा की कई सारी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिससे प्रशंसकों के बीच उनकी लोकप्रियता आसमान छू रही है। ऐसे में क्रिकेट फैंस भी यह जानना चाह रहे हैं कि भारतीय मूल की यह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कौन हैं, जो मैदान और ऑफ-फील्ड दोनों जगह जलवा बिखेर रही हैं। इरा का जन्म विक्टोरिया के हाइडेलबर्ग में हुआ था। वह एक दाएं हाथ की मीडियम पेसर और कुशल बैटर हैं, जो उन्हें एक बहुमुखी ऑलराउंडर बनाती हैं।

भुवनेश्वर कुमार की स्विंग से प्रेरित नंदिनी शर्मा

महिला टी-20 विश्व कप में भारत की तेज गेंदबाजी की नई उम्मीद

नई दिल्ली,एजेसीं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उभरती हुई तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने महिला टी-20 विश्व कप 2026 में नीदरलैंड्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत को शुरुआती सफलताएं दिलाई, जिससे उनकी प्रतिभा और भविष्य की उम्मीदों पर सबका ध्यान केंद्रित हो गया है। इस बड़े टूर्नामेंट में नंदिनी भारत के लिए एक अहम भूमिका निभा सकती हैं, और यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर भारत को महिला टी-20 विश्व कप जीतना है तो नंदिनी सहित अन्य भारतीय गेंदबाजों को लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हाल ही में एक इंटरव्यू में, नंदिनी शर्मा ने भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को अपना आदर्श बताया और उनसे बहुत कुछ सीखने की इच्छा भी जाहिर की है। आईसीसी द्वारा साझा किए गए एक साक्षात्कार में, नंदिनी शर्मा से जब पहला सवाल पूछा गया कि उन्होंने किस क्रिकेटर को कॉपी करने का प्रयास किया था, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के भुवनेश्वर कुमार का नाम लिया। नंदिनी ने कहा कि उन्होंने भुवनेश्वर कुमार को मुख्य रूप से उनकी स्विंग गेंदबाजी के लिए कॉपी करने का प्रयास किया था, क्योंकि वह बहुत अच्छा स्विंग कराते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे कभी भुवनेश्वर कुमार से मिली हैं, तो उन्होंने ना में जवाब दिया, लेकिन तुरंत मिलने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि अगर मुझे उनसे मिलने का मौका मिलेगा तो मैं पूछूंगी कि इतना अच्छा स्विंग कैसे कराते हैं, मुझे आप टिप्स दीजिए। यह दर्शाता है कि नंदिनी अपनी गेंदबाजी में सुधार के लिए कितनी उत्सुक हैं और अपने आदर्श से प्रेरणा लेने के लिए तत्पर हैं। नंदिनी शर्मा का जन्म 2001 में हुआ था और वह ाहिने हाथ की मध्यम गति की तेज गेंदबाज हैं, साथ ही दाहिने हाथ से बल्लेबाजी भी करती हैं। उन्होंने मई 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ हुई सीरीज के साथ अपना टी-20 डेब्यू किया था। अब तक उन्होंने 4 टी-20 मैच खेले हैं ।

फीफा विश्व कप ट्रॉफी की चोरी का रहस्य, सात दिन बाद जासूस कुत्ते ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली ,एजेसीं। फीफा विश्व कप दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट माना जाता है और इसकी ट्रॉफी खेल जगत की सबसे अनमोल धरोहरों में गिनी जाती है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एक समय ऐसा भी आया था जब विश्व कप की असली ट्रॉफी चोरी हो गई थी और उसे खोजने में पुलिस नहीं, बल्कि एक जासूस कुत्ते ने अहम भूमिका निभाई थी। यह घटना वर्ष 1966 की है, जब इंग्लैंड फीफा विश्व कप की मेजबानी की तैयारियों में जुटा हुआ था। टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ महीने पहले लंदन में आयोजित एक प्रदर्शनी में विश्व कप की मूल ट्रॉफी, जिसे उस समय 'जूल्स रिमेट ट्रॉफी' कहा जाता था, लोगों के प्रदर्शन के लिए रखी गई थी। इसी दौरान अज्ञात चोर ट्रॉफी को चुरा ले गए। ट्रॉफी के गायब होने की खबर फैलते ही इंग्लैंड में हड़कंप मच गया। स्कॉटलैंड यार्ड की पुलिस और फीफा अधिकारियों ने व्यापक स्तर पर जांच शुरू की, लेकिन कई दिनों की खोजबीन के बाद भी ट्रॉफी का कोई सुराग नहीं मिल सका। ट्रॉफी की चोरी से इंग्लैंड की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना होने लगी। पुलिस की तमाम कोशिशें नाकाम साबित हो रही थीं। तभी इस कहानी में 'पिकल्स' नाम के एक साधारण कुत्ते की एंट्री हुई। चोरी के सात दिन बाद पिकल्स अपने मालिक के साथ दक्षिण लंदन के एक इलाके में टहल रहा था। इसी दौरान उसकी नजर झाड़ियों में रखे एक संदिग्ध पैकेट पर पड़ी। कुत्ता लगातार भौंकने लगा, जिससे उसके मालिक का ध्यान उस ओर गया। जब मालिक ने पास जाकर देखा तो वह हैरान रह गया। झाड़ियों के बीच अखबार में लिपटी हुई वही विश्व कप ट्रॉफी रखी हुई थी, जिसकी तलाश पूरी दुनिया कर रही थी। उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी और ट्रॉफी अधिकारियों को सौंप दी गई। इस तरह विश्व फुटबॉल की सबसे महत्वपूर्ण धरोहर सुरक्षित वापस मिल गई। ट्रॉफी की बरामदगी के बाद पिकल्स रातों-रात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हो गया।

90 मिनट तक मूर्ति बनकर टीम का हौसला बढ़ाता है कांगो का अनोखा सुपर फैन

नई दिल्ली ,एजेसीं। फुटबॉल के मैदान में खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों का उत्साह भी किसी मैच को यादगार बना देता है। लेकिन लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो का एक समर्थक ऐसा है, जिसने अपने अनोखे अंदाज से पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। मिशेल नकुका म्बोलाडिंगा, जिन्हें लोग 'लुमुम्बा वेआ' के नाम से जानते हैं, आज कांगो फुटबॉल की पहचान बन चुके हैं। हाल ही में विश्व कप में पुर्तगाल के खिलाफ कांगो के ऐतिहासिक मुकाबले के दौरान उनकी अनुपस्थिति चर्चा का विषय बनी रही। विश्व कप में 52 वर्षों बाद वापसी कर रही कांगो की टीम ने पुर्तगाल जैसी मजबूत टीम को 1-1 की बराबरी पर रोककर सबको चौंका दिया। इस मुकाबले में टीम ने विश्व कप इतिहास का अपना पहला गोल भी दर्ज किया। हालांकि स्टेडियम में हजारों समर्थकों के बीच वह चेहरा नजर नहीं आया, जिसे कांगो फुटबॉल का सबसे बड़ा प्रशंसक माना जाता है।

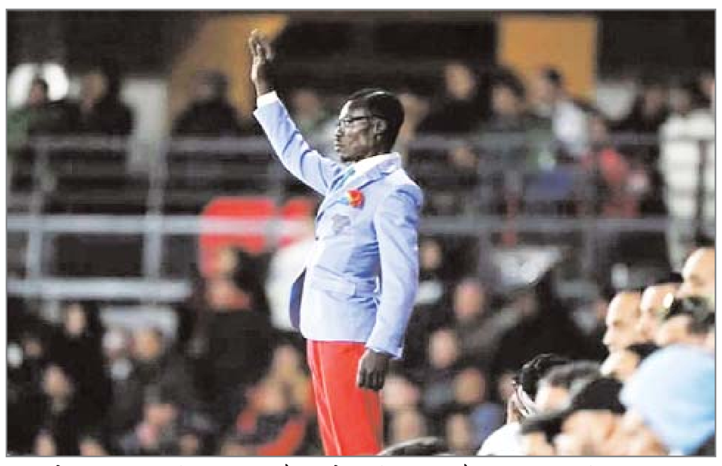

म्बोलाडिंगा इस ऐतिहासिक मैच को इसलिए नहीं देख सके क्योंकि वे इबोला संक्रमण से जुड़े एहतियाती नियमों के तहत 21 दिनों के अनिवार्य क्वारंटाइन में थे। इसी वजह से उन्हें स्टेडियम से दूर रहना पड़ा। उनकी अनुपस्थिति ने कई प्रशंसकों को निराश किया, क्योंकि वे अपनी अनोखी शैली के कारण दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं। वर्ष 2025 में अफ्रीका कप ऑफ नेशन्स के दौरान म्बोलाडिंगा पहली बार वैश्विक सुर्खियों में आए थे। वे मैच देखने के लिए हमेशा आकर्षक सूट, टाई और विंटेज चश्मा पहनकर पहुंचते हैं। उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वे पूरे मैच के दौरान बिना हिले-डुले एक मूर्ति की तरह खड़े रहते हैं।

इंग्लैंड वनडे सीरीज से पहले विराट कोहली का फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैचों की श्रृंखला के लिए कमर कस रही है, जो 14 से 19 जुलाई तक खेली जाएगी। इस महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए टीम चयन से पहले, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अपनी फिटनेस साबित करने के लिए एक अनिवार्य फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के प्रतिष्ठित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होने वाला यह फिटनेस टेस्ट विराट के इंग्लैंड दौरे पर भागीदारी के लिए निर्णायक साबित होगा, जिसकी पुष्टि बीसीसीआई के सूत्रों ने की है।

विराट कोहली, जिन्होंने हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को गुजरात टाइटंस के खिलाफ एक अविश्वसनीय और यादगार जीत दिलाई थी, उसी मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे थे। उनकी शानदार नाबाद 75 रन की पारी ने भले ही आरसीबी को खिताब दिलाया, लेकिन इस चोट ने उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ पिछली वनडे श्रृंखला से बाहर रहने पर मजबूर कर दिया था। यह चोट खेल के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में खिलाड़ियों को प्रभावित कर सकती है और विराट जैसे शीर्ष खिलाड़ी के लिए इसका समय बहुत ही नाजुक था। वर्तमान में, विराट लंदन में अपनी चोट से उबरने और गहन रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया को पूरा करने में व्यस्त हैं, जहां वह विशेषज्ञों की निगरानी में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कोहली बहुत जल्द बीसीसीआई के सीओई में अपनी फिटनेस जांच के लिए रिपोर्ट करेंगे। भारतीय टीम में उनकी वापसी तभी संभव होगी जब वह इस फिटनेस टेस्ट को सफलतापूर्वक पास कर लेंगे। कोहली का अनुभव, उनकी मौजूदा फॉर्म और बड़े मैचों में प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता टीम इंडिया के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, खासकर इंग्लैंड जैसी मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ। उनकी अनुपस्थिति टीम के मध्यक्रम में अनुभव और स्थिरता की कमी महसूस करा सकती है, यही कारण है कि चयनकर्ता उनके फिटनेस पर कड़ी नजर रख रहे हैं और उनकी वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का चयन करना है, यह चयन न केवल खिलाड़ियों के वर्तमान प्रदर्शन पर आधारित होगा ।

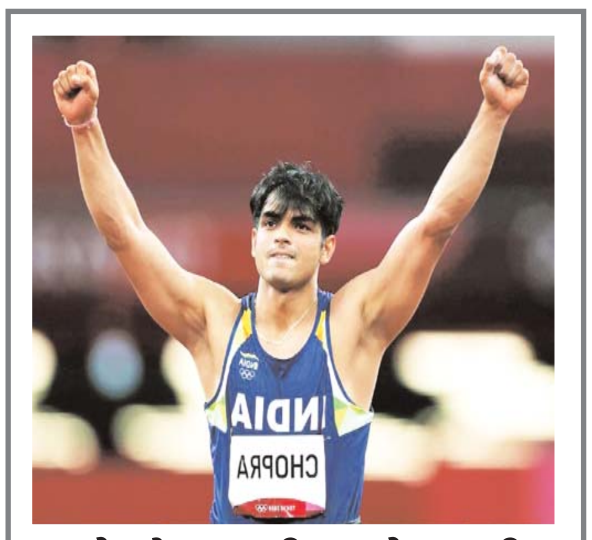

चोट के बाद नीरज चोपड़ा की शानदार वापसी

दोहा डायमंड लीग में चौथे स्थान के साथ राष्ट्रमंडल खेलों का टिकट पक्का

नई दिल्ली ,एजेसीं। चोट की मार, आठ महीने का लंबा इंतजार और फिर दुनिया के सबसे बड़े मंचों में से एक पर वापसी भारतीय जैवलीन थ्रो के पोस्टर बॉय नीरज चोपड़ा के लिए दोहा डायमंड लीग 2026 केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि उनके अदम्य साहस और जुझारूपन की एक नई कहानी थी। लगभग आठ महीने तक पीठ की चोट से जूझने के बाद, 28 वर्षीय पूर्व ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने एक बार फिर मैदान पर कदम रखा। हालांकि यह वापसी वैसी नहीं रही जैसी उनके करोड़ों प्रशंसक उम्मीद कर रहे थे, लेकिन खेल के प्रति उनका समर्पण और तकनीक आज भी उतनी ही लाजवाब दिखी। नीरज चोपड़ा प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहे, लेकिन उन्होंने आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई करके यह साबित कर दिया कि शेर भले ही कुछ समय के लिए शांत था, लेकिन वह शिकार करना भूला नहीं है। दोहा की सुहानी शाम और खचाखच भरे स्टेडियम में जब नीरज चोपड़ा ने अपने हाथ में भाला थामा, तो पूरे देश की धड़कनें थमी हुई थीं। एक लंबे अंतराल के बाद मैदान पर उतरने का दबाव साफ दिख रहा था, जिसका असर उनके पहले प्रयास पर पड़ा। नीरज का पहला थ्रो फाउल रहा, जो किसी भी एथलीट के लिए चोट के बाद वापसी करते हुए पहली ही कोशिश में मानसिक रूप से परेशान कर सकता है। ऐसा लगा कि शायद शरीर के जंग को साफ होने में अभी थोड़ा और वक्त लगेगा। लेकिन नीरज चोपड़ा आम खिलाड़ियों से अलग मिट्टी के बने हैं। वे जानते हैं कि दबाव को कैसे अपनी ताकत बनाना है। दूसरे प्रयास के बाद, खेल के तीसरे दौर में पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी ने अपने चिर-परिचित अंदाज की झलक दिखाई। उन्होंने पूरी ताकत और सटीक कोण के साथ भाला हवा में लहराया, जिसने 85.69 मीटर की दूरी तय की। इस शानदार थ्रो के साथ ही नीरज ने अंक तालिका में लंबी छलांग लगाई और तीसरे स्थान पर पहुंच गए। स्टेडियम में मौजूद भारतीय प्रशंसक झूम उठे और ऐसा लगा कि नीरज अपने पुराने रंग में लौट आए हैं। चोट के बाद इस स्तर की दूरी हासिल करना यह दिखाता है कि उनकी मांसपेशियों की ताकत और तकनीक अभी भी कितनी मजबूत है। इसके बाद चौथे दौर में नीरज ने अपनी निरंतरता बनाए रखने की कोशिश की। उन्होंने 83.45 मीटर का एक और मजबूत थ्रो फेंका।

टीम इंडिया को बड़ा झटका: हार्दिक पंड्या इंग्लैंड दौरे से बाहर, विराट कोहली की फिटनेस पर भी सवाल

नई दिल्ली,एजेसीं। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी लिमिटेड ओवरों की सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा है। भारत के प्रमुख ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण इस महत्वपूर्ण दौरे से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा, टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है, जिसने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हार्दिक की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन को प्रभावित करेगी, विशेष रूप से ऐसे समय में जब टीम एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का सामना कर रही है।

हार्दिक पंड्या हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे, जो उनकी चोट की गंभीरता को दर्शाता है। उन्हें यह चोट आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए लगी थी। हार्दिक, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और उपयोगी मध्यम गति की गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, खासकर सीमित ओवरों के प्रारूप में। उनकी अनुपस्थिति का मतलब है कि टीम को उनकी जगह किसी ऐसे खिलाड़ी को ढूंढना होगा जो उनकी ऑलराउंड क्षमता की भरपाई कर सके, जो एक बड़ी चुनौती होगी। उनकी लगातार चोटें न केवल उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन को बाधित कर रही हैं, बल्कि टीम के दीर्घकालिक योजनाओं पर भी असर डाल रही हैं। दूसरी ओर, विराट कोहली की फिटनेस पर संदेह ने भी टीम प्रबंधन को विचार करने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि उनकी चोट की प्रकृति के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह चिंता का विषय है क्योंकि कोहली टीम की बल्लेबाजी रीढ़ की हड्डी हैं। उनके अनुभव और मैच जिताने की क्षमता को देखते हुए, उनकी किसी भी तरह की अनुपस्थिति या कम फिटनेस टीम के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। चयनकर्ता संभवतः उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए होंगे और अंतिम निर्णय से पहले उनकी फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार करेंगे। हालांकि, टीम के लिए कुछ राहत भरी खबर भी है। युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल, वापसी कर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के लिए चुनी जाने वाली वनडे टीम के लिए पूरी तरह से फिट घोषित किए गए हैं। झ इन सभी फिट खिलाड़ियों की सीओई (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) रिपोर्ट चयनकर्ताओं को भेज दी गई है।

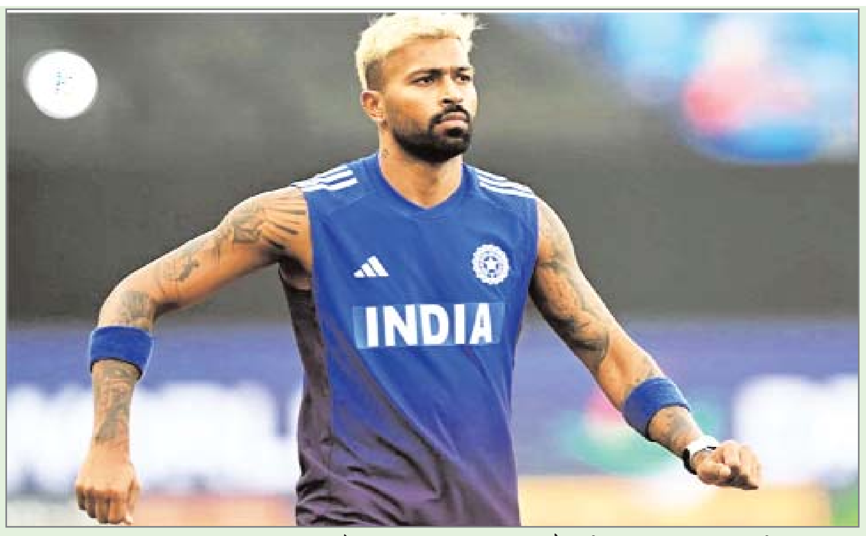

विश्व योग दिवस पर उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं आमजनों के साथ किया योगाभ्यास

योग शरीर को स्वस्थ रखने की कला है, इसे दिनचर्या में शामिल करें : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में 12वां विश्व योग दिवस उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने स्पोर्ट्स काम्पलेक्स रीवा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया उप मुख्यमंत्री शुक्ल तथा सांसद जनार्दन मिश्र ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों, स्थानीय नागरिकों तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सामूहिक योग किया समारोह में अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कैलाश जाटव, विन्ध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. पंचूलाल प्रजापति उपाध्यक्ष विन्ध्य विकास प्राधिकरण डॉ. अजय सिंह, जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने भी सामूहिक योगाभ्यास किया समारोह में कोलकाता में आयोजित विश्व योग दिवस के राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि योग शरीर को स्वस्थ रखने की कला है योग को दिनचर्या में शामिल करने से हम अपने स्वास्थ्य को ठीक रख सकते हैं। महर्षि पतंजलि ने देश व समाज को योग से अवगत कराया इस प्राचीन ज्ञान को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पदभार ग्रहण करने के बाद वर्ष 2014 से जनजन तक पहुंचाने का प्रयास किया। बाबा रामदेव ने भी योग को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य किया। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग आज विश्वव्यापी हो गया है चीन, जापान से लेकर यूरोप और अमेरिका में बड़ी संख्या में लोग योग से जुड़े हुए हैं विश्व योग दिवस दुनिया का सामूहिक योगाभ्यास का सबसे बड़ा कार्यक्रम बन गया है उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व भर में लोग योग और ध्यान को अपनाकर भारत को विश्व गुरू के रूप में प्रतिष्ठित कर रहे हैं। योग ने विश्व को शांति और मानसिक संतुलन का मार्ग दिखाया है हम सब प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट अपने मन और तन को स्वस्थ रखने के लिए योग करें जब मन में निराशा छा जाती है तो उससे मुक्त होने का मार्ग योग और ध्यान ही दिखाते हैं हमारा मानसिक संतुलन यदि ठीक न हो तो गलत राह में कदम चले जाते है हम सब स्वयं नियमित योगाभ्यास करें और अपने आसपास के व्यक्तियों को भी इससे जोड़ने का प्रयास करें हमारी परंपरा पूरी दुनिया को परिवार मानकर शांति बनाए रखने की रही है विश्व शांति में हम सब मिलकर योगदान दें विश्व योग दिवस पर जिला मुख्यालय के साथ-साथ विकासखण्ड तथा ग्राम पंचायतों में भी सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी शिक्षण संस्थाओं तथा आयुष विभाग के आरोग्य मंदिरों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में सामूहिक योगाभ्यास किया गया स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों ने सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास कराया सामूहिक योगाभ्यास में संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. शिवराम साकेत, जिला आयुष अधिकारी डॉ. शारदा मिश्रा, एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी, संभागीय खेल अधिकारी एमके धौलपुरी, सहायक संचालक शिक्षा राजेश मिश्रा सहित विद्यार्थी गणमान्य नागरिक पुलिस अधिकारी तथा स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि सामूहिक योगाभ्यास में शामिल हुए।

मानसून के पहले होती हैं सर्वाधिक आकाशीय बिजली की घटनाएं आकाशीय बिजली से स्वयं को बचाएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आकाशीय बिजली (वज्रपात) से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं इन निर्देशों का पालन कर आकाशीय बिजली से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है आकाशीय बिजली से बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है यह मानसून के पहले जून-जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं ऊंची नुकीली संरचनाओं पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है जारी निर्देश में कहा गया है कि धातु का मचान धातु के उपकरण पानी के पाइप या प्लम्बिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें ऊंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, ऊंचा पेड़, छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन और ट्रेक्टर जैसे वाहनों से दूर रहें विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें धातुयुक्त वाहनों से विद्युत प्रवाह संभावित होने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थलों की ओर जाएं सड़क पर होने पर तुरंत किसी भवन के अंदर शरण लें आकाशीय बिजली के गर्जन सुनाई देने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें। बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संपर्क से दूरी बनाए रखें इन्हें पावर प्लग से पृथक करें बिजली का प्रवाह किसी भी दीवार, फर्श, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, रेडियो और टेलीविजन रिसेप्शन सिस्टम तारों के माध्यम से हो सकता हैर, कार्यालय में अर्थिंग सुनिश्चित करें खुले हुए खिड़की, दरवाजे, धातु के पाइप इत्यादि के पास खड़े नहीं रहें पानी के धातु पाइप से बिजली प्रवाहित हो सकती है विभाग द्वारा चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं।

मौन नहीं जनजागरण चाहिए : अगस्त क्रांति मंच ने उठाए सवाल, फर्जी मुकदमों और भ्रष्टाचार पर निष्पक्ष जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नईगढ़ी क्षेत्र में अगस्त क्रांति मंच ने लोकतांत्रिक अधिकारों, जनहित और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर जोरदार आवाज उठाई है मंच का कहना है कि जनता का मौन रहना समस्याओं को और बढ़ाता है जबकि जागरूकता ही लोकतंत्र में जवाबदेही सुनिश्चित करने का सबसे मजबूत माध्यम है मीडिया ऑडिटर नईगढ़ी के माध्यम से जारी बयान में कहा गया कि एक ओर न्याय अधिकार और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों पर हमले हो रहे हैं तो दूसरी ओर जनविरोधी व्यवस्था और कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाने वालों पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं मंच ने इसे केवल किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे समाज का मुद्दा बताया है अगस्त क्रांति मंच का स्पष्ट कहना है कि लोकतंत्र में नागरिकों को अपनी बात रखने, सवाल पूछने और जनहित के मुद्दे उठाने का पूर्ण अधिकार है बिजली पानी सड़क शिक्षा, स्वास्थ्य राजस्व और ग्रामीण विकास जैसे बुनियादी मुद्दों पर जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। लेकिन वर्तमान स्थिति में शिकायत करने वालों और सवाल उठाने वालों पर ही कार्रवाई की जा रही है जो चिंताजनक है मंच ने मांग की है कि जनहित से जुड़े सभी मामलों, शिकायतों और आरोपों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की जाए। जिन मामलों में दस्तावेजों सहित शिकायतें दर्ज हैं, उन पर समयबद्ध कार्रवाई हो और दोषियों पर कानून के अनुसार कठोर कदम उठाए जाएं अगस्त क्रांति मंच के संयोजक कुंजबिहारी तिवारी ने जनता से अपील की कि वे अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से आगे आएं उन्होंने कहा प्रश्न पूछना अपराध नहीं बल्कि लोकतंत्र की ताकत है यदि जनता मौन रहेगी तो समस्याएँ बढ़ेंगी लेकिन जागरूकता से ही जवाबदेही तय होगी इस दौरान तिवारी ने यह भी कहा कि जो दस्तावेज उन्होंने साझा किए हैं वे किसी चुनावी जीत के प्रमाण पत्र नहीं बल्कि उनके अनुसार उनके ऊपर थाना प्रभारी जगदीश ठाकुर और विधायक के दामाद द्वारा कराए गए फर्जी मुकदमे की प्रतियां हैं मंच ने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है और संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा के लिए संगठित होकर संघर्ष जारी रखने की बात कही है।

यूथ हॉस्टल रीवा यूनिट का नि:शुल्क मेडिकल कैंप बना जनसेवा का उदाहरण, सैकड़ों मरीजों ने लिया लाभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया रीवा यूनिट द्वारा आयोजित नि:शुल्क मेडिकल कैंप का रविवार को सफल समापन हुआ। स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में 500 से अधिक मरीजों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त कर उपचार कराया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने यूथ हॉस्टल रीवा यूनिट द्वारा किए जा रहे सामाजिक सरोकारों और जनहित के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं और जरूरतमंदों तक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं मेडिकल कैंप में विभिन्न बीमारियों से संबंधित सुपर स्पेशलिटी चिकित्सकों ने मरीजों का परीक्षण किया और उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान किया। दूर-दराज के क्षेत्रों से आए मरीजों ने भी इस शिविर का लाभ उठाया। आयोजन स्थल पर स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रूप से की गई थीं, जिससे मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो यूथ हॉस्टल एसोसिएशन रीवा यूनिट द्वारा समय-समय पर सामाजिक, शैक्षणिक, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संस्था का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सेवाएं पहुंचाना और जनजागरूकता बढ़ाना है इस अवसर पर अध्यक्ष सुनील सिंह, संरक्षक शाहिद परवेज, चेयरमैन डॉ. सुनीता पांडेय, सचिव स्वामी अमरनाथ श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष प्रो. महेश चंद्र श्रीवास्तव, पुनीत थापर, कोषाध्यक्ष विजय अग्रवाल, संगठन सचिव अशोक चौरसिया, संतोष मिश्रा, सह सचिव तहसीन खान, अभिषेक शुक्ला, एडवोकेट रेवा शंकर अवस्थी, एडवोकेट शैलेंद्र निगम एवं मीडिया प्रभारी प्रकाश यादव सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का वातावरण सेवा और सहयोग की भावना से परिपूर्ण रहा।

नगर परिषद सिरमौर में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया, विधायक दिव्यराज सिंह ने योग को बताया स्वस्थ जीवन का आधार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर परिषद सिरमौर द्वारा पंडित दीनदयाल पार्क में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह के आतिथ्य में हुआ इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष संदीप सिंह, उपाध्यक्ष, पार्षदगण एल्डरमैन सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी (द्धस) दृष्टि जायसवाल, नायब तहसीलदार बिंदु तिवारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेहा शर्मा की उपस्थिति भी रही योगाभ्यास का संचालन व्यायाम शिक्षकों द्वारा कराया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया मुख्य अतिथि विधायक दिव्यराज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए योग अत्यंत आवश्यक है उन्होंने कहा कि योग से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं तथा आज पूरी दुनिया योग को अपना रही है योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है जिसे दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए जनसंपर्क प्रभारी अश्वनी तिवारी ने बताया कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेहा शर्मा के निर्देशन में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के व्यायाम शिक्षक अनिरुद्ध शुक्ला, अनंत प्रसाद माझी तथा संदीपनी विद्यालय के शिक्षक शीलध्वज सिंह द्वारा सामूहिक योगाभ्यास कराया गया अनिरुद्ध शुक्ला ने कहा कि योग एक प्राचीन भारतीय जीवन शैली और विज्ञान है जो शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन स्थापित करता है योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की कला है, जिसे सभी को अपनाना चाहिए कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन नगर परिषद उपाध्यक्ष विजय सोनी द्वारा किया गया इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि सामाजिक कार्यकर्ता, विद्यालयीन शिक्षक नगर परिषद कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे पूरे आयोजन का वातावरण योगमय एवं अनुशासित रहा।

केन्द्रीय जेल में बंदियों ने किया सामूहिक योगाभ्यास, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगमय हुआ वातावरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर केन्द्रीय जेल रीवा में विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जेल में निरुद्ध बंदियों ने उत्साहपूर्वक सामूहिक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम के दौरान पूरा जेल परिसर योगमय वातावरण में परिवर्तित हो गया। योग गुरु आदर्श पाण्डेय ने मधुर संगीत की धुन पर बंदियों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया इस दौरान बंदियों ने सूर्य नमस्कार ताड़ासन, वृक्षासन, गरुड़ासन वीरभद्रासन धनुरासन मकरासन एवं सर्वांगासन जैसी योग क्रियाओं का अभ्यास किया योग सत्र में बंदियों ने अनुशासन और उत्साह के साथ सक्रिय भागीदारी निभाई जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने का एक आध्यात्मिक एवं दार्शनिक माध्यम है उन्होंने बताया कि योग व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और मानसिक शांति प्रदान करता है उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश विधि सेवा प्राधिकरण द्वारा 15 जून से प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश की सभी जेलों में बंदियों को योगाभ्यास कराया जा रहा था, जिससे वे नियमित रूप से योग से जुड़े रहें कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा अधिकारी अभय मिश्रा, आयुष विभाग से डॉ. उमेश ताम्रकार एवं रचना चौरसिया, उशिक्षक राजीव तिवारी, स्वदीप सिंह सहित मेडिकल स्टाफ एवं समस्त जेल स्टाफ ने भी सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने योग को जीवन का हिस्सा बनाने और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

भारत की अमूल्य पांडुलिपि विरासत को सहेजने के लिए संस्कृति मंत्रालय की अनूठी पहल ज्ञानभारतम ऐप से घर बैठे डिजिटल सर्वे में भाग ले सकेंगे नागरिक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश की अमूल्य ज्ञान-परंपरा और सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रीय पहल ज्ञानभारतम् मिशन की शुरुआत की गई है इस अभियान के तहत भारत की प्राचीन सभ्यताओं के ज्ञान विज्ञान दर्शन परंपराओं और सांस्कृतिक स्मृतियों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए ज्ञानभारतम् मोबाइल एप्लीकेशन (राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण) लॉन्च किया गया है जिले के ऐसे समस्त नागरिक संस्थाएँ मंदिर या पुस्तकालय जिनके पास प्राचीन पांडुलिपियाँ उपलब्ध हैं वे इस ऐप के माध्यम से सीधे राष्ट्रीय सर्वेक्षण का हिस्सा बनकर अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं रीवा जिले में पाँच हजार से अधिक पाण्डुलिपियों को ऐप में दर्ज किया गया है ज्ञानभारतम ऐप में कोई भी उपयोगकर्ता अपने मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी के माध्यम से बेहद सुरक्षित तरीके से लॉगिन कर सकता है। लॉगिन करने के पश्चात उपयोगकर्ता अपने द्वारा भेजे गए सर्वे रिक्वेस्ट के सबमिशन का पूरा इतिहास देख सकते हैं तथा उसकी वर्तमान स्टेटस को आसानी से पता लगा सकते हैं ऐप को पहली बार शुरू करते समय डिवाइस की लोकेशन एक्सेस अनुमति देना आवश्यक होगा यह अनुमति केवल पांडुलिपि के यथार्थ और सटीक स्थान के प्रमाणिक अभिलेखन के उद्देश्य से ली जाती है ऐप के माध्यम से जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया को बेहद सरल और जन-उपयोगी बनाया गया है ऐप में हिंदी, अंग्रेजी संस्कृत और प्राकृत सहित कुल 23 भाषाओं का उपयोग किया जा सकता है लेकिन मुख्य सर्वे फॉर्म की प्रविष्टियाँ अंग्रेजी में ही भरी जाएंगी। उपयोगकर्ता अपनी श्रेणी के अनुसार व्यक्तिगत संरक्षक, संस्था/पुस्तकालय/ट्रस्ट, आम नागरिक या मिशन के अधिकृत सर्वेक्षक के विकल्प का चयन कर सकते हैं यहाँ संस्था अथवा व्यक्तिगत संरक्षक का नाम, मोबाइल नंबर और पदनाम दर्ज करना होता है ताकि मिशन टीम भविष्य में सीधे संपर्क कर सके। स्थान का निर्धारण करने के लिए राज्य, जिला, पूरा पता और पिन कोड अंकित करना होगा। साक्ष्य के तौर पर पांडुलिपि के कवर पेज या पहले पृष्ठ का कम से कम एक स्पष्ट और बिना धुंधलापन वाला फोटो अपलोड करना अनिवार्य है अंतिम चरण में पांडुलिपि की लिपि, भाषा और सामग्री (जैसे ताड़पत्र, कागज धातु आदि) की समीक्षा करके सबमिट रिक्वेस्ट पर क्लिक करते ही एक यूनिक रिक्वेस्ट आईडी जनरेट हो जाएगी अपनी अमूल्य धरोहर को नष्ट होने से बचाएं - संस्कृति मंत्रालय की इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य उन दुर्लभ ज्ञान-स्रोतों की पहचान करना है जिन्हें संरक्षण कैटलॉगिंग और डिजिटाइजेशन की तत्काल आवश्यकता है।

एमसीयू में प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 10 जुलाई तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) की प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी जानकारी के अनुसार अब अभ्यर्थी 10 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन आवेदन केवल एमसीयू की आधिकारिक वेबसाइट अथवा एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे इस निर्णय का उद्देश्य विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है सत्र 2026-27 के लिए एमसीयू में प्रवेश प्रक्रिया जारी है, जिसके अंतर्गत मीडिया एवं जनसंचार के विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। इनमें बीएएमसी, बीएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, एमएएमसी, एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा एमजे जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम शामिल हैं इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में भी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें बैचलर डिग्री बीसीए, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (पीजीडीसीए) तथा एक वर्षीय डीसीए कंप्यूटर डिप्लोमा कोर्स शामिल है विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।